राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार, 01 अक्टूबर 2022 वर्ष-5,अंक-245 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

थम नहीं रही खींचतान

अशोक गहलोत को कांग्रेस दफ्तर में देख पायलट समर्थकों ने खूब लगाए नारे

जयपुर। राजस्थान कांग्रेस के भीतर सियासी खींचतान जारी है। इस बीच सचिन पायलट के समर्थक शुक्रवार को नई दिल्ली में स्थिति एआईसीसी ऑफिस के बाहर जमा हुए। उन्होंने मांग रखी कि पायलट को या तो पार्टी अध्यक्ष बनाया जाए, या फिर राजस्थान का मुख्यमंत्री नियुक्त किया जाए। इसी दौरान जैसे ही राज्य के सीएम अशोक गहलोत पार्टी दफ्तर पहुंचे, सपोर्टर्स ने पायलट के पक्ष में नारेबाजी शुरू कर दी। समर्थकों का कहना है कि 'राहुल गांधी भी यंग हैं। भारत का भविष्य युवाओं के हाथों में है। जब तक किसी युवा को टॉप पोस्ट नहीं मिलेगी, तब तक कांग्रेस को पावर नहीं मिलेगी। पायलट को जमीनी स्तर की समस्याओं और पार्टी कार्यकताओं के हालात के बारे में जानकारी है। हम उन्हें पार्टी अध्यक्ष बनाए जाने की मांग करते हैं।' गुरुवार को सचिन पायलट ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की और उन्हें राजस्थान के राजनीतिक संकट की जानकारी दी। पायलट ने इस मुलाकात के बाद बताया कि उन्होंने राजस्थान की राजनीति को लेकर सोनिया गांधी के सामने सारी स्थिति रखी है और अब उन्हीं को राजस्थान के मामले में अंतिम निर्णय लेना है। इससे पहले कल दिन में ही गहलोत ने भी सोनिया गांधी से मुलाकात की थी और जो कुछ स्थिति उनके समर्थकों के कारण राजस्थान में पैदा हुई उसके लिए माफी मांगी। इसके साथ ही उन्होने स्पष्ट करते हुए कहा कि अब वह कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव नहीं लड़ेंगे। राजस्थान का मुख्यमंत्री बने रहने के संबंधी सवाल पर उन्होंने कहा कि यह फैसला कांग्रेस आलाकमान को ही करना है। वहीं, कांग्रेस ने राजस्थान के अपने नेताओं को पार्टी के दूसरे नेताओं के खिलाफ टिप्पणी न करने की सख्त हिदायत दी है। कांग्रेस

महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल ने इस संबंध में चेतावनी जारी की। उन्होंने कहा कि राजस्थान कांग्रेस के कुछ नेता पार्टी के दूसरे नेताओं के विरुद्ध और आंतरिक मामलों को लेकर टिप्पणियां कर रहे हैं। इस तरह की टिप्पणियां पार्टी के हित में नहीं है, इसलिए ऐसा करने वाले नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संसद भवन के 'शेर' नहीं दिखते क्रूर, सुप्रीम कोर्ट बोला: यह दिमाग पर निर्भर करता है, याचिका खारिज

नई दिल्ली। भारत के नए संसद भवन लगाई गई शेर की मूर्ति कानून का उल्लंघन नहीं करती है। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट की तरफ से यह टिप्पणी की गई है। साथ ही कोर्ट ने आक्रामक मूर्ति के दावे पर भी सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने याचिका को खारिज किया और कहा कि यह व्यक्ति के दिमाग पर निर्भर करता है। दरअसल, सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के हिस्से के तहत संसद भवन पर शेर की मूर्ति स्थापित की गई थी। राजनीतिक दलों की तरफ से भी इसपर सवाल उठाए गए थे। मामले में दो वकील अलदनीश रेन और रमेश कुमार की तरफ से याचिका दायर की थी। याचिकाकताओं ने दावा किया था कि नई मूर्ति स्टेट एंबलम ऑफ इंडिया (प्रोहिबिशन ऑफ इम्प्रॉपर यूज) एक्ट, 2005 में मंजूरी प्राप्त राष्ट्रीय प्रतीक की डिजाइन के विपरीत है। हालांकि, जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस कृष्ण मुरारी की बेंच ने याचिका को खारिज कर दिया। एड्वोकेट रेन ने

कहा था कि राष्ट्रीय प्रतीक की मंजूरी प्राप्त डिजाइन में कोई भी कलाकारी नहीं की जा सकती। साथ ही याचिकाकर्ता का यह भी कहना था कि इसमें 'सत्यमेव जयते' का लोगो नहीं है। बहरहाल, कोर्ट ने माना कि इस मूर्ति के निर्माण में कानून का उल्लंघन नहीं किया गया है। साल 1950 में 26 जनवरी को राज्य प्रतीक को नए गठित गणतंत्र के चिह्न और मुहर के रूप में लाया गया था। वहीं, प्रतीक साल 2005 में अस्तित्व में आया। याचिका में कहा गया है कि प्रतीक में शामिल शेर क्रूर और आक्रामक नजर आ रहे हैं, जिनका मुंह खुला हुआ है और दांत दिख रहे हैं। जबकि, सारनाथ में मूर्ति के शेर शांत नजर आ रहे हैं। आगे कहा गया है कि चारों शेर बुद्ध के विचार दिखाते हैं।

शशि थरूर के घोषणापत्र में भारत के नक्शे में भारी चूक

किरकिरी के बाद सुधारी गलती

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष पद के उम्मीदवार शशि थरूर के घोषणापत्र में बड़ी गड़बड़ी सामने आई। इसमें भारत का विकृत नक्शा दिखाया गया। शशि थरूर के घोषणापत्र में जम्मू-कश्मीर के पीओके और लद्दाख का कुछ हिस्सा नहीं दिखाया गया था। ये घोषणापत्र थरूर के कार्यालय से जारी किया गया था। हालांकि, मामला सामने आने और इसे लेकर हुई किरकिरी के बाद थरूर के कार्यालय ने तुरंत नक्शे में सुधार किया और पीओके सहित पूरे कश्मीर को इसमें दिखाया।

बता दें कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को पार्टी कार्यालय पहुंचकर अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के अध्यक्ष मधुसूदन मिस्त्री को ऑल इंडिया कांग्रेस कमिटी (एआईसीसी) मुख्यालय में अपने कागजात सौंपे। ढोल-नगाड़ों के साथ शशि थरूर अपने समर्थकों के साथ एआईसीसी मुख्यालय पहुंचे थे। थरूर ने सुबह राजघाट पहुंचे और नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी।

थरूर ने एक ट्वीट कर कहा कि महात्मा गांधी ने भारत का निर्माण किया हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि, भारत एक पुराना देश है लेकिन एक युवा राष्ट्र है। उन्होंने कहा कि, ₹मैं भारत को मजबूत, स्वतंत्र, आत्मनिर्भर और दुनिया के राष्ट्रों की सेवा में सबसे आगे रहने का सपना देखता हूं। थरूर ने कहा कि मेरे पास कांग्रेस के लिए एक विजन है, जिसे मैं सभी प्रतिनिधियों के पास भेजूंगा। मैं सभी कांग्रेस कार्यकताओं को आवाज बूनंगा। वहीं अध्यक्ष पद के रेस से दिग्विजय सिंह बाहर हो गए हैं। मल्लिकार्जुन खरगे के चुनावी मैदान में उतरने के बाद उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया है। अब वह खरगे के प्रस्तावक हैं।

देश के नए सीडीएस अनिल चौहान ने संभाला पदभार, कहा- चुनौतियों का मिलकर निकालेंगे हल

नई दिल्ली। जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को भारत के दूसरे प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) का कार्यभार संभाला। उनके सामने सशस्त्र सेनाओं के तीनों अंगों के बीच समन्वय और महत्वाकांक्षी 'थियेटर' कमान के निर्माण का लक्ष्य है, ताकि देश की सेनाओं को भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार किया जा सके।

जनरल चौहान सेना की पूर्वी कमान के प्रमुख रह चुके हैं। तमिलनाडु में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में, भारत के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत के निधन के 9 महीने से ज्यादा समय बाद जनरल चौहान ने वरिष्ठतम सैन्य कमांडर का दायित्व ग्रहण किया है। जनरल चौहान ने कहा, 'मैं सेना के तीनों अंगों की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा।' सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा, 'मुझे गर्व है कि आज मैं भारतीय सेनाओं के प्रमुख पद पर कार्यभार

संभालने जा रहा हूं। भारत सरकार, तीनों सेनाओं की आशाओं को पूरा करने की कोशिश करूंगा। हमारे सामने सुरक्षा संबंधी जो भी चुनौतियां और मुश्किलें हैं उसको साझा रूप से दूर करने की कोशिश करेंगे।' जनरल चौहान को चीन मामलों का विशेषज्ञ माना जाता है। शीर्ष पद पर उनकी नियुक्ति ऐसे समय हुई है जब पूर्वी लद्दाख में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच सीमा को लेकर विवाद बना हुआ है। भारतीय सेना के बेहद अनुभवी और अलंकृत अधिकारी, 61 वर्षीय लेफ्टिनेंट जनरल चौहान रक्षा मंत्रालय के सैन्य मामलों के विभाग के सचिव के तौर पर भी काम करेंगे। वह पूर्वी कमान के प्रमुख के पद से बीते साल 31 मई को रिटायर हुए थे।

पीएम ने काफिले को रुकवाकर एंबुलेंस को दिया रास्ता

अहमदाबाद से गांधीनगर जा रहे थे मोदी

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गृह राज्य गुजरात में एक एंबुलेंस को रास्ता देने के लिए अपना काफिला रुकवा दिया। पीएम मोदी शुक्रवार को अहमदाबाद से गांधीनगर जा रहे थे। मोदी को एक रोड पर एंबुलेंस रुकी नजर आई, उन्होंने तुरंत अपने सुरक्षा कर्मियों को अपना काफिला रोक कर एंबुलेंस को निकलने देने का निर्देश दिया। इस दौरान कुछ देर उनके काफिले के वाहन रुके रहे। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। मोदी अहमदाबाद में सभा के बाद गांधीनगर की ओर जा रहे थे। पीएम मोदी ने आज गांधीनगर से मुंबई के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। वे इस ट्रेन में सवार होकर गांधीनगर से अहमदाबाद के कालूपुर स्टेशन तक गए। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के नए को हरी झंडी दिखाने और अहमदबाद मेट्रो रेल के पहले चरण के उद्घाटन के बाद एक कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि देश में ऐसे नए शहरों का निर्माण किया जा रहा है जो वैश्विक व्यापार मांग के अनुरूप हों। इसके साथ ही पुराने शहरों में सुधार और उनके विस्तार पर ध्यान

केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने गांधीनगर-अहमदाबाद की तर्ज पर देश में जुड़वां नगर विकसित किए जाने पर जोर दिया। जुड़वां नगर कैसे विकसित किए जाते हैं, इसका बेहतर उदाहरण गांधीनगर और अहमदाबाद हैं। ऐसे शहरों में न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी की अक्सर चर्चा होती है, ऐसे में भारत कैसे पीछे रह सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अहमदाबाद और मुंबई के बीच शुरू हुई वंदे भारत ट्रेन देश के दो बड़े शहरों के बीच सफर को आरामदायक भी बनाएगी और दूरी को भी आठ घंटे से घटा कर साढ़े पांच घंटे कर देगी। शताब्दी ट्रेन भी छह से सात घंटे तक का समय लेती है, लेकिन वंदे भारत साढ़े पांच घंटे में अहमदाबाद से मुंबई पहुंचा देगी। पीएम मोदी ने आज ही थलतेज और वस्त्राल के बीच अहमदाबाद मेट्रो रेल परियोजना के पहले चरण का भी उद्घाटन किया और इसमें सफर भी किया।प्रधानमंत्री ने मेट्रो ट्रेन के पूर्वी-पश्चिमी गलियारे के कालूपुर स्टेशन पर परियोजना का उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, सांसद सी आर पाटिल और किरीट सोलंकी भी उनके साथ थे। गुजरात मेट्रो रेल निगम (जीएमआरसी) ने एक बयान में कहा कि थलतेज और वस्त्राल के बीच 21 किलोमीटर लंबे इस गलियारे के बीच 17 स्टेशन हैं। इस गलियारे में चार स्टेशनों के साथ 6.6 किमी का भूमिगत खंड भी है। मोदी ने 4 मार्च 2019 को परियोजना के पहले चरण के एक हिस्से का उद्घाटन किया था। इस हिस्से में वस्त्राल से अपैरल पार्क के बीच 6.5 किलोमीटर की दूरी को मेट्रो से जोड़ा गया था। इस परियोना को 2014 में मंजूरी मिली थी। जीएमआरसी ने कहा कि मेट्रो का किराया पांच रुपये से 15 रुपये के बीच होगा।

अनोखा प्रदर्शन: सड़कों पर गड्ढों के विरोध में पानी में बैठे लोग, कैबिनेट मंत्री के खिलाफ नारेबाजी

आगरा। सड़कों में हुए गड्ढों से परेशान कहरई के लोगों ने रास्ते में भरे पानी में बैठकर प्रदर्शन किया। कैबिनेट मंत्री के खिलाफ नारे लगाए। इसके बाद सड़क निर्माण के लिए मांगपत्र पढ़ कर सुनाया गया।

जनप्रतिनिधियों पर उदासीनता के आरोप लगाते हुए तत्काल समस्या दूर कराने की मांग की गई। शमसाबाद रोड स्थित कहरई गांव के लोग बदहाल सड़कों से परेशान हैं। लंबे समय से सड़कें नहीं बनने और गहरे गड्ढों के कारण जलभराव हो रहा है। बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे। गड्ढों में गिरने से लोगों के हाथ-पैर टूट रहे हैं। जिसके विरोध में बृहस्पतिवार को आक्रोश फूट पड़ा। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि कई बार प्रदर्शन कर चुके हैं, लेकिन विधायक व मंत्री की उदासीनता के कारण समस्या जस की तस है। जल्द समस्या से निजात नहीं मिली तो उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। मांग करने वालों में राहुल राजपूत, सत्य प्रकाश, अनार सिंह, शशि कुमार, सर्वेश कुशवाह, अखिलेश, राकेश शर्मा, राजेश, दिनेश कुशवाह आदि मौजूद रहे।

झांसी में केशव का अखिलेश पर वार: बोले- अपराधियों, माफियाओं और दंगाइयों के सरगना हैं सपा प्रमुख

झांसी। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव अपराधियों, माफियाओं और दंगाइयों के सरगना हैं। भाजपा सरकार में अपराधियों की पूजा नहीं होती है। भाजपा कार्यालय में संवाद कार्यक्रम में शामिल होने आए डिप्टी सीएम ने ये प्रतिक्रिया सपा के पूर्व विधायक दीपनारायण यादव की गिरफ्तारी को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में दी। केशव ने कहा कि प्रदेश में अपराधी कहीं भी होगा, उसके खिलाफ सख्त करवाई होगी। सरकार द्वारा अपराधियों, माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई के

विरोध में अखिलेश का बयान आना कोई बड़ी बात नहीं है। उन्होंने तंज कसा कि अगर अखिलेश अपराधियों का साथ छोड़ दें तो उनके पास सरकार का विरोध करने का कोई मुद्दा नहीं बचेगा। पीएफआई पर कार्रवाई को लेकर पूछे गए सवाल पर केशव बोले कि ये संगठन देश में हिंसा फैलाने, साजिश रचने, भारत की एकता, अखंडता को खतरा पहुंचने वाला है। यूपी सहित कई राज्यों ने भारत सरकार को अनुरोध भेजा था कि ऐसे संगठन को प्रतिबंधित किया जाए। ये संगठन समय-समय पर हिंसा फैलाता है। जो केवल मुस्लिम वोटों की फसल काटना चाहते हैं मगर उनको भविष्य में भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। हिन्दू क्या इनको मुसलमान भी वोट नहीं देगा, क्योंकि मुसलमानों में भी बहुत बड़ी संख्या पीएफआई के विरोध में हैं।

एमपी : वकील की आत्महत्या पर जमकर बवाल

जबलपुर। जबलपुर हाईकोर्ट में वकीलों ने हंगामा कर दिया। वे साथी वकील की आत्महत्या से नाराज हैं। बताया जा रहा है कि जबलपुर हाईकोर्ट एक वकील अमित साहू ने जमानत में जज द्वारा विपरीत टिप्पणी किए जाने के बाद आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद साथी वकील शव लेकर हाईकोर्ट पहुंच गए। जज नहीं मिले तो चीफ जस्टिस कोर्ट में उन्होंने हंगामा कर दिया। बड़ी संख्या में वकील मौजूद हैं। बता दें कि जमानत आवेदन पर सुनवाई के दौरान वकील अमित साहू पर जस्टिस संजय द्विवेदी ने विपरीत टिप्पणी कर दी थी। इससे अमित इतने आहत हुए कि उन्होंने आत्महत्या कर ली। नाराज वकीलों ने चीफ जस्टिस की कोर्ट में तोड़फोड़ कर दी। सुरक्षा अधिकारी से हाथापाई भी की। वकील धरने पर बैठ गए

हैं। एसटीएफ ने की हाईकोर्ट में मोर्चा संभाल लिया है। जानकारी के अनुसार अधिवक्ता द्वारा आत्महत्या किए जाने से आक्रोशित अधिवक्ता साथियों ने हाईकोर्ट परिसर में शव रखकर प्रदर्शन किया। साथी अधिवक्ता के आत्महत्या किए जाने विरोध में एक अधिवक्ता द्वारा अपनी हाथ की नस काटने की अपुष्ट खबर भी मिली है। आक्रोशित अधिवक्ता ने हाईकोर्ट में आगजनी भी की है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस अधीक्षक सिध्दार्थ बहुगुणा सहित अन्य पुलिस अधिकारी सहित भारी बल ने मोर्चा संभाल लिया है। दमकल विभाग की गाड़ियों ने घटनास्थल में पहुंचकर आग पर काबू प्राप्त किया। समाचार लिखे जाने तक अधिवक्ताओं का विरोध प्रदर्शन जारी था और पुलिस ने हाईकोर्ट के सभी प्रवेश गेट बंद कर दिए हैं। सूत्रों के अनुसार आत्महत्या करने के पूर्व अधिवक्ता ने सुसाइड नोट भी लिखा है। आक्रोशित वकील घटना की सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। बताया गया कि वकीलों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करते हुए लाठीचार्ज भी किया है। घटनास्थल पर एसपी, कलेक्टर एवं बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद हैं। पुलिस और वकीलों में भी झगड़ा हुआ है और कई पुलिसकर्मियों को चोट आई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एक बार नहीं बल्कि कई बार हाईकोर्ट और निचली अदालतों के जजों को अनावश्यक टिप्पणियों से बचने की नसीहत दी है। पिछले साल कोरोना से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, एल नागेश्वर राव, एस. रवींद्र भट की बेंच ने कहा था कि उच्च न्यायालयों के जजों को सुनवाई के दौरान अनावश्यक और बिना सोचे-समझे टिप्पणी करने से बचना चाहिए। क्योंकि वे जो कहते हैं, उनके काफी गंभीर प्रभाव हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा था कि जजों को अपनी बात सोच-विचार करके ही कहनी चाहिए। जब हम उच्च न्यायालय के किसी फैसले की आलोचना कर रहे होते हैं, तब भी हम हमारे दिल में क्या है, यह नहीं कहते। संयम बरतते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सरकार भी दावा करती रही है कि जिस पीएफआई व उसके आठ आनुषंगिक संगठनों पर बैन लगाया गया है उनमें स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया यानी सिमी तथा जेएमबी व आईएसआईएस जैसे संदिग्ध संगठनों की भागीदारी रही है। जो बहुसंख्यक समाज के खिलाफ हिंसक गतिविधियों को विस्तार देते रहे हैं। लेकिन संगठन की कारगुजारियों की वास्तविकता भी सामने आनी चाहिए।

पाबंदी और सवाल

पॉप्युलर फ्रंट ऑफ इंडिया के खिलाफ देशव्यापी छापेमारी और सैकड़ों सदस्यों की गिरफ्तारी के बाद इस पर यूएपीए के प्रावधानों के तहत पांच साल का बैन लगाया गया है। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप सामाजिक संगठन चलाना कोई अपराध नहीं है लेकिन यदि संगठन राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त पाया जाता है तो सख्त कार्रवाई स्वाभाविक है। छापेमारी के बाद यदि संगठन पर बैन लगाया गया है तो जाहिर है सरकारी एजेंसियों को कुछ प्रमाणिक दस्तावेज मिले होंगे जो सामाजिक वैमनस्य फैलाने वाले होंगे। दरअसल, देश में अल्पसंख्यकों के बीच लंबे समय से सक्रिय पीएफआई की कतिपय संदिग्ध गतिविधियों को लेकर सवाल उठते रहे हैं। सरकार भी दावा करती रही है कि जिस पीएफआई व उसके आठ आनुषंगिक संगठनों पर बैन लगाया गया है उनमें स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया यानी सिमी तथा जेएमबी व आईएसआईएस जैसे संदिग्ध संगठनों की भागीदारी रही है। जो बहुसंख्यक समाज के खिलाफ हिंसक गतिविधियों को विस्तार देते रहे हैं। लेकिन संगठन की कारगुजारियों की वास्तविकता भी सामने आनी चाहिए। बहुत संभव है कि सरकार के इस फैसले को अदालत में चुनौती दी जाये, जैसे कि पीएफआई के सहयोगी संगठन कह भी रहे हैं कि उनका संगठन सामाजिक कार्यों के क्रियान्वयन तक ही सीमित रहा है, जिसके चलते ही संगठन का जनाधार विकसित भी हुआ है। ऐसे में सरकार को भी आरोपों की तार्किकता को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वाकई संगठन के लोगों की किसी रूप में हिंसक गतिविधियों में भूमिका रही है। फिर इस बात पर भी विचार करने की जरूरत है कि यदि इस संगठन को एक तबके का समर्थन मिल रहा है तो उसकी वजह क्या है। बहुत संभव है कि जांच प्रक्रिया को बाधित होने से बचाने के लिये इन छापों में प्राप्त दस्तावेज सार्वजनिक न किये जायें, लेकिन किसी भी तरह के अविश्वास का निराकरण भी जरूरी है। लोकतांत्रिक व्यवस्था की तार्किकता इस बात पर निर्भर करती है कि सरकार की किसी भी कार्रवाई का आधार भी पारदर्शी ही हो। बहरहाल, सरकार की इस कार्रवाई को लेकर विपक्षी राजनीतिक दलों की तल्ख प्रतिक्रिया भी आई और उन्होंने बहुसंख्यक वर्ग से जुड़े कतिपय संगठनों को लेकर भी सवाल खड़े किये हैं। उनकी दलील है कि यदि पीएफआई पर वर्ग विशेष में मजहबी कट्टरता को बढ़ावा देने व दूसरे धर्मों के खिलाफ विषवमन के आरोप हैं तो ऐसे में बहुसंख्यक समाज में ऐसी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने वाले संगठनों पर भी कार्रवाई की जानी चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता तो प्रतिबंध के बावजूद पीएफआई का विस्तार रोकना मुश्किल होगा। बहुत संभव है कि प्रतिबंध के बाद संगठन की भूमिगत गतिविधियां और तेज हो जायें। इसकी वजह यह भी कि बहुसंख्यक संगठनों की सक्रियता का भय दिखाकर पीएफआई को वित्तीय संसाधन जुटाने में कोई परेशानी न हो। इससे संगठन की आक्रामकता को भी विस्तार मिल सकता है। ऐसे में सरकारी सतर्कता बढ़ानी जरूरी होगी। निस्संदेह, देश में लोकतांत्रिक संगठनों की गतिविधियों के विस्तार से किसी को परहेज नहीं होना चाहिए। यदि कोई संगठन समाज में चेतना के विकास, प्रगतिशील विचारों के पोषण व राष्ट्रीय सरोकारों के अनुरूप व्यवहार करे। लेकिन संवैधानिक व्यवस्था की लक्ष्मण रेखा लांघने का प्रयास होता है तो सख्त कार्रवाई होनी ही चाहिए। अब चाहे संगठन अल्पसंख्यक समुदाय का प्रतिनिधित्व करता हो या बहुसंख्यक समाज का।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

एक सहेली दूसरी से मिलने गई। वहां उसका मुन्ना खेल रहा था। वह मुन्ने को देख कर बोली, 'वाह, मुन्ने ने तो तुम्हारी ही आँख पाई है नाक अपने पापा जैसी पाई हैं।'

बड़ा मुन्ना पास ही खेल रहा था। वह झट बोला, 'और कमीज इसने मेरी पाई हैं।'

□ □ □

एक समाज सेवक ने अपने कवि मित्र से अपने एक अन्य मित्र का परिचय कराया, 'इनसे मिलिए, यह मेरे मित्र हैं और अंडों का कारोबार करते हैं।'

'बेचने का या फैंकने का?' कवि ने पूछा।

□ □ □

अजनबी ने सिपाही से पूछा, 'जनाब यहां जगह-जगह यह क्यों लिखा हैं कि गाड़ी आहिस्ता चलाए।'

सिपाही, 'इसलिए कि यहां दूर-दूर तक कोई अस्पताल नहीं हैं।'

□ □ □

सड़क पर धूमधाम से बरात चली जा रही थी। घोड़े पर बैठे दूल्हे के मुंह पर पट्टी बंधी थी। यह देखकर एक राहगीर ने एक बाराती से पूछा – 'भैया, दूल्हे के मुंह पर पट्टी क्यों।' बाराती ने मुस्कुराते हुए बताया – 'भाई साहब, दूल्हा मुहल्ले का नेता है। उसे भीड़ देखकर भाषण देने की बीमारी है।'

□ □ □

वृद्धजनों का मान-सम्मान करें

लेखक-डॉ. सौरभ मालवीय

देश में रामेश्वर प्रसाद जैसे हजारों वृद्ध हैं, जो परिवार के होते हुए भी असहाय हैं। देश में वृद्धजनों की एक बड़ी संख्या है। राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार देश की कुल जनसंख्या में वृद्धजनों की भागीदारी वर्ष 2011 में लगभग 9 प्रतिशत थी। वर्ष 2036 तक यह संख्या बढ़कर 18 प्रतिशत होने का अनुमान है। देश की 8.4 प्रतिशत यानी 10.2 करोड़ जनसंख्या की आयु 60 वर्ष से अधिक है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2061 तक भारत में वृद्धजनों की संख्या 42.5 करोड़ हो जाएगी।

(1 अक्टूबर) अंतरराष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस

जीवन के कई चक्र हैं, जैसे बाल्यकाल, यौवनकाल, प्रौढ़काल एवं वृद्धकाल। वृद्धावस्था में मनुष्य कमजोर हो जाता। उसका शारीरिक बल कम हो जाता है, सुनने एवं देखने की शक्ति क्षीण हो जाती है। इस अवस्था में मनुष्य का मस्तिष्क भी प्रभावित होता है। उनकी स्मरण शक्ति क्षीण होने लगती है। वह बातें भूलने लगता है। वह वस्तु रखकर भूल जाता है। अकसर उसी समय कही गई बात भी उसे स्मरण नहीं रहती। ऐसे समय में वृद्धजनों को अपने परिवार की बहुत आवश्यकता होती है। उन्हें विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है। उन्हें अपने परिवार के लोगों के प्रेम की आवश्यकता होती है। यदि ऐसे समय में उन्हें अपने परिवार के लोगों का साथ न मिले तो वे टूट जाते हैं। उनका मनोबल कम हो जाता है। दुर्भाग्यवश यदि उन्हें अपने परिवार के लोगों के द्वारा प्रताड़ित होना पड़े, तो उनका जीवन नारकीय बन कर रह जाता है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ के रकाबगंज के रहने वाले 82 वर्षीय रामेश्वर प्रसाद हाथों में यूरिन का बैग लेकर इधर-उधर भटक रहे हैं। उनके दो युवा पुत्र और चार पुत्रियां हैं। किन्तु उनकी कोई भी संतान उनकी देखभाल नहीं करना चाहती है। उनकी दयनीय स्थिति देखकर वन स्टॉप सेंटर ने उन्हें सरोजनी नगर स्थित सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान पहुंचाया है। देश में रामेश्वर प्रसाद जैसे हजारों वृद्ध हैं, जो परिवार के होते हुए भी असहाय हैं। देश में वृद्धजनों की एक बड़ी संख्या है। राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार देश की कुल जनसंख्या में वृद्धजनों की भागीदारी वर्ष 2011 में लगभग 9 प्रतिशत थी। वर्ष 2036 तक यह संख्या बढ़कर 18 प्रतिशत होने का अनुमान है। देश की 8.4 प्रतिशत यानी 10.2 करोड़ जनसंख्या की आयु 60 वर्ष से अधिक है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2061 तक भारत में वृद्धजनों की संख्या 42.5 करोड़ हो जाएगी। संयुक्त राष्ट्र की ही रिपोर्ट के अनुसार भारत में वृद्धजनों की संख्या वर्ष 2050 तक लगभग 20 प्रतिशत होने का अनुमान है। वर्तमान में यह दर 8 प्रतिशत है। वर्ष 2050 तक वृद्धजनों की संख्या में 326 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है, जबकि इनमें 80 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के लोगों की संख्या में 700 प्रतिशत वृद्धि होने का अनुमान है। जिस प्रकार देश में वृद्धजनों के प्रति बढ़ते दुर्व्यवहार एवं आपराधिक घटनाओं में निरंतर वृद्धि हो रही है, उसके दृष्टिगत वृद्धजनों की स्थिति और भी चिंताजनक हो सकती है। यह संतोष की बात है कि देश में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति दिन-प्रतिदिन उत्तम होने के कारण लोगों की जीवन प्रत्याशा में वृद्धि हुई है। वर्तमान समय में जीवन प्रत्याशा स्वतंत्रता के समय की तुलना में दोगुनी से अधिक हो गई है। वर्ष 1940 के दशक के अंत में जीवन प्रत्याशा लगभग 32 वर्ष थी, जो अब बढ़कर 70 वर्ष हो गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं की आयु अधिक लंबी होगी। वर्ष 2011 में यह 69.4 वर्ष थी, जो वर्ष 2061 में बढ़कर 79.7 वर्ष हो जाएगी। पुरुषों में वर्ष 2011 में औसत आयु 66 वर्ष थी, जो वर्ष 2061 में 76.1 वर्ष हो जाएगी। किन्तु दुख का विषय यह है कि वृद्धजनों की बढ़ती संख्या के साथ उनके साथ होने वाले दुर्व्यवहार के मामलों में वृद्धि होने की आशंका है। देश में वृद्धजनों पर अत्याचार के मामले निरंतर बढ़ रहे हैं, सभ्य समाज के मस्तक पर कलंक हैं। वृद्ध हत्या, हत्या का प्रयास, गंभीर मारपीट, अपहरण, दुष्कर्म, लूट एवं जबरन वसूली जैसे गंभीर अपराधों का शिकार हो रहे हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की वर्ष 2021 की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में वृद्धजनों पर अत्याचार के मामलों में निरंतर वृद्धि हो रही है। वृद्धजनों के प्रति घटित अपराधों में महाराष्ट्र प्रथम स्थान पर है। इस मामले में मध्य प्रदेश द्वितीय एवं तेलंगाना तृतीय स्थान पर है। दुख एवं लज्जा की बात है कि देश में कोरोना काल में लगाए गए लॉकडाउन में वृद्धजनों के साथ दुर्व्यवहार के मामले में भारी वृद्धि हुई। एजवेल फाउंडेशन द्वारा कराए गए सर्वेक्षण की एक रिपोर्ट के अनुसार लगभग 82 प्रतिशत वृद्धों का कहना था कि कोरोना के कारण उनका जीवन प्रभावित हुआ। इनमें से 73 प्रतिशत वृद्धजनों को दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा, जबकि 65 प्रतिशत वृद्धजनों को अपने जीवन में उपेक्षा का सामना करना पड़ रहा है। 58 प्रतिशत वृद्धजनों का कहना था कि वे अपने परिवारों एवं समाज में दुर्व्यवहार का शिकार हो रहे हैं। लगभग 35.1 प्रतिशत वृद्धजनों का कहना था कि वृद्धावस्था में लोग घरेलू हिंसा का सामना करते हैं। उन्हें मौखिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है। देश में वृद्धजनों को स्वास्थय की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। जनगणना के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 1995 में ग्रामीण क्षेत्रों वृद्धजनों की मृत्यु के तीन सबसे बड़े कारण श्वास संबंधी रोग, ह्रदयघात एवं लकवा रहे हैं। इनमें श्वास संबंधी रोगों के कारण 25.8 प्रतिशत लोगों की मृत्यु हुई, जबकि ह्रदयघात से 3.2 प्रतिशत तथा लकवा के कारण 8.5 प्रतिशत मृत्यु हुई। परिवार के लोगों द्वारा दुर्व्यवहार किए जाने के कारण वृद्धजन मानसिक तनाव की चपेट में आ जाते हैं। देशभर में 10 प्रतिशत से अधिक वृद्ध अवसाद ग्रस्त हैं। स्थिति यह है कि लगभग 50 प्रतिशत वृद्धजनों को मनोचिकित्सीय या मनोवैज्ञानिक की आवश्यकता अनुभव होती है। अब से लगभग दो दशक पहले की बात करें, तो तब भी वृद्धजनों की स्थिति संतोषजनक नहीं थी। 52वें नेशनल सैम्पल सर्वे-1995- 96 की एक रिपोर्ट के अनुसार वृद्धजनों में दीर्घकालिक रोग पाए गए। ग्रामीण क्षेत्रों 25 प्रतिशत वृद्धजनों दीर्घकालिक रोगों ने पीड़ित थे, जबकि शहरों क्षेत्रों में यह दर 55 प्रतिशत थी। वृद्धजन जोड़ों की समस्या से सबसे अधिक पीड़ित थे। इसमें ग्रामीण क्षेत्रों में 38 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 43 प्रतिशत वृद्धजनों को जोड़ों से संबंधित कोई न कोई समस्या थी। ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं को जोड़ों की समस्या अधिक थी। शहरी क्षेत्रों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं में जोड़ों की समस्या, उच्च व कम रक्तचाप तथा कैंसर आदि रोग अधिक पाए गए। इसके पश्चात खांसी से वृद्धजन पीड़ित पाए गए। ग्रामीण क्षेत्रों में 40 प्रतिशत एवं शहरी क्षेत्रों में 35 प्रतिशत वृद्धजन किसी

न किसी प्रकार की शारीरिक अक्षमता से ग्रस्त पाए गए। देश के अधिकतर वृद्धजनों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। उन्हें अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के अपने परिवार के लोगों पर निर्भर रहना पड़ता है। 'हेल्पएज इंडिया' नामक स्वयंसेवी संस्था द्वारा किए गये एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण की रिपोर्ट के अनुसार लगभग 47 प्रतिशत वृद्धजन आय के लिए अपने परिवार के लोगों पर निर्भर हैं, जबकि और 34 प्रतिशत पेंशन एवं सरकारी नकद हस्तांतरण पर निर्भर हैं। सर्वेक्षण में सम्मिलित 40 प्रतिशत लोगों ने कहा था कि वह जब तक संभव हो सकेगा वह कार्य करने के इच्छुक हैं, ताकि उन्हें पैसों के लिए किसी के सामने हाथ न फैलाना पड़े। वास्तव में वृद्धावस्था में लोगों को अपनी निजी आवश्यकताओं के लिए अपने बच्चों से पैसे मांगने पड़ते हैं। बहुत से ऐसे लोग भी होते हैं, जो अपने वृद्ध माता-पिता को पैसे नहीं देते। ऐसी स्थिति में वृद्धजन पैसों से वंचित हो जाते हैं। ऐसे वृद्ध नागरिकों के लिए राज्य सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश पेंशन योजना प्रारम्भ की गई है। इस योजना के अंतर्गत राज्य के वृद्ध नागरिकों को 500 रुपये प्रति माह प्रदान किए जाते हैं। यह धनराशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में जमा की जाती है। इस योजना का उद्देश्य राज्य के वृद्ध नागरिकों को पेंशन का लाभ प्रदान करवाना है, जिससे वृद्धावस्था में उन्हें किसी पर निर्भर नहीं होना पड़े। देश के अन्य राज्यों में भी इसी प्रकार की वृद्ध पेंशन योजनाएं चल रही हैं। केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के अंतर्गत देश में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार के 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वृद्धजनों को सरकार द्वारा पेंशन के रूप में आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। जिन वृद्धजनों की आयु 60 से 79 वर्ष के मध्य है उन्हें सरकार द्वारा प्रतिमाह 500 रुपये की धनराशि प्रदान की जाती है तथा जिनकी आयु 80 वर्ष से अधिक है उन्हें प्रतिमाह 800 रुपये प्रदान किए जाते हैं। सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा बुजुर्ग व्यक्तियों के लिए एकीकृत कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत बृद्ध आश्रम, शिशु सदन केंद्रों, वृद्धजनों और विधवाओं के लिए संचालित चिकित्सा इकाइयों आदि चलाने एवं उनके रखरखाव आदि के लिए अनुदान प्रदान किया जाता है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य वृद्धजनों की जीवन शैली में सुधार करना, उन्हें मूलभूत सुविधाएं जैसे आश्रय, भोजन, चिकित्सा देखभाल और मनोरंजन आदि के अवसर प्रदान करना है।

आत्मघाती विवशता के लिए जिम्मेदार असंवेदनशीलता

विश्वनाथ सचदेव

हाल में एक उपन्यास पढ़ा है मैंने 'ढलती सांझ का सूरज'। मधु कांकरिया के इस उपन्यास में सिमटी (या फैली?) है देश के उन किसानों की व्यथा-कथा जो कहलाते तो अन्नदाता हैं, पर अभावों की मार से हारकर मरने के लिए अभिशप्त हैं। इस उपन्यास में एक ऐसे बेटे के माध्यम से इन अभिशप्त आत्माओं से परिचय कराया गया है जो बीस साल पहले अपनी विधवा मां और अपना देश छोड़कर सुविधा का जीवन जीने के लिए विदेश चला गया था। बीस साल बाद लौटकर आया तो सही, पर तब वह अपनी मां को नहीं देख पाया था! मर चुकी थी उसकी मां। पर उन किसानों की जिंदगी में वह ज़िंदा थी, जिनकी सेवा को उसने अपनी ज़िंदगी बना लिया था। परेशान है बेटा यह सोच कर कि 'किसान मौत को गले क्यों लगाता है? शायद तभी जब उम्मीद से भी उम्मीद नहीं रह जाती होगी।' अपने किसान मामा से वह यही सवाल पूछता है और जब मामा कहता है, 'दलदल में फंसा किसान क्या एक दिन मरता है? हर दिन वह थोड़ा-थोड़ा मरता है... असफलता से नहीं डरता वह, हिम्मत हार जाता है वह जब अपनी क्षमता पर विश्वास खो देता है। हमारा सिस्टम किसान को लगातार यही अहसास करवा रहा है...।' कहीं भीतर तक हिला देता है यह उपन्यास। उस दिन मैं इसे पढ़ते हुए इसी अहसास को जी रहा था। तभी एक खबर सामने आ गयी। एक किसान की आत्महत्या की खबर थी यह। महाराष्ट्र के इस 42 वर्षीय किसान ने मरने से पहले देश के प्रधानमंत्री को एक चिट्ठी लिखी थी। इस चिट्ठी में उसने बताया था कि फसल बर्बाद होने और कर्ज न चुका पाने के कारण उसे आत्महत्या करनी पड़ रही है। मराठी में लिखी इस चिट्ठी में उसने देश के प्रधानमंत्री को बताया था, 'मेरे पास पैसे नहीं हैं। साहूकार प्रतीक्षा करने को तैयार नहीं है। हम क्या करें? हम अपनी फसल (प्याज) बाज़ार भी नहीं ले जा सकते। आप अपने बारे में ही सोच रहे हैं। फसल की न्यूनतम कीमत देनी चाहिए आपको। साहूकार के गुंडे धमकियां दे रहे हैं। पतपेढ़ी के अफसर गालियां सुना रहे है। हम न्याय के लिए कहां जाएं? आपके कुछ न करने के कारण मैं आत्महत्या कर रहा हूं।' चिट्ठी के अंत में उस मरने वाले किसान ने अपने देश के प्रधानमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी थीं। 'ढलती सांझ का सूरज' पढ़ते-पढ़ते आंखों के सामने एक किसान की आत्महत्या का समाचार आ जाना एक संयोग हो सकता है, पर कहीं भीतर तक दहल गया था मैं। चौबीसों घंटे चलने वाले खबरिया चैनलों ने यह समाचार तो दिखाया था, पर यह कहीं नहीं दिखा कि इस चिट्ठी के बारे में सत्ताशीर्ष की क्या प्रतिक्रिया थी। मुझे लगा था शायद 'मन की बात' में इस किसान को याद करें, पर नहीं किया गया याद। और महत्वपूर्ण विषय होंगे उनके पास। पर सवाल जो बार-बार मेरे मन में उठ रहा है, वह यह है कि किसी एक किसान की आत्महत्या देश के सत्ताधीशों के लिए महत्वपूर्ण क्यों नहीं होनी चाहिए? आत्महत्या करने से पहले प्रधानमंत्री की लंबी उम्र की दुआ करने वाले किसान की यह संवेदनशीलता न जाने कितनों को रुला गयी होगी। पर, हकीकत यह भी है कि देश में आये दिन होने वाली किसानों की आत्महत्याएं अब हमें विचलित नहीं करतीं। इसी साल के शुरुआत में संसद में सरकार ने यह जानकारी दी थी कि 2016 से 2020 के चार सालों में देश में 17 हज़ार से अधिक किसानों ने आत्महत्या की थी। जनवरी से लेकर जुलाई, 2022 तक की अवधि में अकेले महाराष्ट्र में 600 से अधिक किसान ज़िंदगी की लड़ाई हार गये थे। आंकड़े यह भी बताते हैं कि वर्ष 2021 में देश में हर दो घंटे में एक किसान ज़िंदगी की बाजी हार रहा था! बचपन में स्कूल की किसी कक्षा में किसानों के बारे में एक कविता पढ़ी थी, जिसमें कहा गया था, 'बरसा रहा है रवि अनल भूतल तवा सा जल रहा... लेकिन कृषक शोणित जला कर हल तथापि चला रहे/ इस घाम में किस आस में वे निज शरीर जला रहे?' बहुत मार्मिक लगी थी तब यह कविता हम बच्चों को। आज, जब किसी 'आस' के अभाव में किसानों को आत्महत्या करते देखते-सुनते हैं तो हमारे भीतर कुछ पिघलता क्यों नहीं? आज देश में किसानों के लिए बहुत सारी योजनाएं चल रही हैं। ढेरों दावे किये जा रहे हैं किसानों के कल्याण के बारे में। पिछले पांच-सात दशकों में किसानों की स्थिति में कुछ सुधार भी आया ही होगा, पर यह हकीकत हमें सोचने के लिए बाध्य क्यों नहीं करती कि देश में होने वाली आत्महत्याओं में बड़ी संख्या कृषकों और कृषि-मज़दूरों की है। हकीकत यह भी है कि आज हम अपने ही नहीं, दुनिया के कई देशों के लोगों के लिए भी खाद्यान्न का उत्पादन करने में सक्षम हैं। लेकिन इस सबके बावजूद किसानी से जीवन-यापन करने

वालों के जीवन में अपेक्षित खुशहाली क्यों नहीं आ पा रही? पांच साल पहले उच्चतम न्यायालय ने एक मामले में सुनवाई करते हुए कहा था कि 'यह सुनिश्चित करना सरकार का काम है कि किसानों को आत्महत्या न करनी पड़े।' पर इसके बावजूद साल-दर-साल यह संख्या कम नहीं हो रही। आखिर क्यों? नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2018 में देश में 5763 किसानों ने आत्महत्या की थी, वर्ष 2019 में यह संख्या 5957 हो गयी थी और 2020 में 5579 किसानों ने कर्जे में जीने के बजाय मर जाना बेहतर समझा। कब बदलेगी यह स्थिति? फिल्म-अभिनेता नाना पाटेकर ने कुछ अर्सा पहले एक जन-सभा में कहा था, 'मुंबई की सड़कों पर यदि आपको कोई व्यक्ति भीख मांगता दिखे तो उसे भिखारी समझकर दुत्कारें नहीं, वह किसान हो सकता है!' हमारे देश का किसान! जिसे हम अन्नदाता कहते नहीं थकते, पर जिसकी पीड़ा समझने की आवश्यकता हम महसूस नहीं करते। बयालीस साल के दशरथ लक्ष्मण ने देश के प्रधानमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए अपनी आत्महत्या करने की विवशता समझायी है। हमारे किसानों की इस विवशता के लिए व्यवस्था तो दोषी है ही, हमारे समाज की असंवेदनशीलता भी कहीं न कहीं ज़िम्मेदार है। हम कब समझेंगे इस असंवेदनशीलता को? **लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।**

चिंतन-मनन

कृष्ण हैं परम पुरुष

जीव तथा भगवान की स्वाभाविक स्थिति के विषय में अनेक दार्शनिक ऊहापोह में रहते हैं। जो भगवान कृष्ण को परम पुरुष के रूप में जानता है, वह सारी वस्तुओं का ज्ञाता है। अपूर्ण ज्ञाता परम सत्य के विषय में केवल चिन्तन करता जाता है, जबकि पूर्ण ज्ञाता समय का अपव्यय किये बिना सीधे कृष्णभावनामृत में लग जाता है, अर्थात भगवान की भक्ति करने लगता है। सम्पूर्ण भगवद्गीता में पग-पग पर इस तथ्य पर बल दिया गया है। फिर भी भगवद्गीता के ऐसे अनेक कट्टर भाष्यकार हैं, जो परमेर तथा जीव को एक ही मानते हैं। वैदिक ज्ञान श्रुति कहलाता है, जिसका अर्थ है श्रवण करके सीखना। वास्तव में वैदिक सूचना कृष्ण तथा उनके प्रतिनिधियों जैसे अधिकारियों से ग्रहण करनी चाहिए। यहां कृष्ण ने हर वस्तु का अंतर सुन्दर ढंग से बताया है, अतएव इसी स्रोत से सुनना चाहिए। लेकिन केवल सुनना पर्याप्त नहीं है। मनुष्य को चाहिए कि अधिकारियों से समझे। ऐसा नहीं कि केवल शुष्क चिन्तन ही करता रहे। मनुष्य को विनीत भाव से भगवद्गीता से सुनना चाहिए कि सारे जीव सदैव भगवान के अधीन हैं। जो भी इसे समझ लेता है, वही श्रीकृष्ण के कथनानुसार वेदों के प्रयोजन को समझता है, अन्य कोई नहीं समझता। भजति शब्द अत्यन्त सार्थक है। कई स्थानों पर भजति का संबंध भगवान की सेवा के अर्थ में व्यक्त हुआ है यदि कोई व्यक्ति पूर्ण कृष्णभावनामृत में रत है, अर्थात् भगवान की भक्ति करता है, तो यह समझना चाहिए कि उसने सारा वैदिक ज्ञान समझ लिया है। वैष्णव परंपरा में कहा जाता है कि यदि कोई कृष्ण-भक्ति में लगा रहता है, तो उसे भगवान को जानने के लिए किसी अन्य आध्यात्मिक विधि की आवश्यकता नहीं रहती। वह ज्ञान की समस्त प्रारंभिक विधियों को पार कर चुका होता है। लेकिन यदि कोई लाखों जन्मों तक चिन्तन करने पर भी इस लक्ष्य पर नहीं पहुंच पाता कि श्रीकृष्ण ही भगवान हैं और उनकी ही शरण ग्रहण करनी चाहिए, तो उसका अनेक जन्मों का चिन्तन व्यर्थ जाता है।

एच-1बी वीजा पर अमेरिका में मुहर लगाने की सिफारिश मंजूर

वाशिंगटन । एशियाई अमेरिकी और प्रशांत द्वीप वासियों पर राष्ट्रपति के एक आयोग ने अमेरिका में एच-1बी वीजा पर मुहर लगाने की अनुशंसा सबकी सहमे ति से पारित कर दी है। अगर राष्ट्रपति जो बाइडन इसे मंजूर करते हैं तो इससे हजारों पेशेवरों खासतौर से भारतीयों को बड़ी राहत मिलेगी। एच-1बी वीजा गैर-अप्रवासी वीजा है, जिससे अमेरिकी कंपनियों को खास विशेषज्ञता वाले पेशेवरों में विदेशी कामगारों की भर्ती करने की अनुमति मिलती है। प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत और चीन जैसे देशों से हर साल हजारों कर्मचारियों को भर्ती करने के लिए इस पर निर्भर रहती हैं। मौजूदा प्रक्रिया के तहत किसी व्यक्ति को अमेरिकी कंपनी में नौकरी करने के लिए अपने देश में अमेरिकी वाणिज्यदूत या दूतावास में वीजा पर मुहर के लिए आवेदन करने की आवश्यकता होती है।एशियाई अमेरिकी, हवाई मूल के लोगों और प्रशांत द्वीप वासी पर राष्ट्रपति के सलाहकार आयोग ने बुधवार को व्हाइट हाउस में एक बैठक में यह फैसला लिया। एच-1बी वीजा पाने या उसके नवीनीकरण का इंतजार कर रहे बड़ी संख्या में लोग अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं क्योंकि भारत जैसे देशों में उनके वीजा की अर्जियां लंबित हैं और वहां मौजूदा समय में प्रतीक्षा का समय एक साल से अधिक है। आयोग के सदस्य भारतीय मूल के अमेरिकी ने एच-1बी वीजा पर मुहर की सिफारिश की थी।

एलटीटीएस ने क्वालकॉम से किया समझौता

बेंगलुरु । एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज लिमिटेड (एलटीटीएस) ने शुक्रवार को कहा कि उसने वैश्विक 5जी निजी नेटवर्क उद्योग के लिए समाधान उपलब्ध कराने के लिए क्वालकॉम टेक्नोलॉजीज से समझौता किया है। दोनों कंपनियां इस गठजोड़ के तहत उच्च प्रौद्योगिकी और दूरसंचार क्षेत्र में अपनी संयुक्त विशेषज्ञता का उपयोग करेंगी। एलटीटीएस ने एक बयान में कहा है कि दोनों कंपनियां विनिर्माण और वेयरहाउसिंग, लॉजिस्टिक क्षेत्र में अंतिम ग्राहकों के लाभ के लिए दूरसंचार समाधान और सेवाओं को एक साथ लाएंगे।

बीमा कंपनियों की 824 करोड़ की कर चोरी पकड़ी

मुंबई । जीएसटी अधिकारियों ने 15 बीमा कंपनियों, मध्यस्थों और बैंकों की 824 करोड़ रुपए की कर चोरी पकड़ी है। इन कंपनियों ने जाली बिल (इन्वॉयस) के जरिए यह कर अपवंचना की है। अधिकारियों ने बताया कि इस बारे में सूचना मिलने के बाद मुंबई में जीएसटी आसूचना अधिकारियों ने कई बीमा कंपनियों, मध्यस्थ इकाइयों, विपणन, ब्रांडिंग कंपनियों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और बैंकों के परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान यह पता चला कि इन कंपनियों ने वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति किए बिना इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ लिया। अधिकारियों ने बताया कि 15 बीमा कंपनियां, मध्यस्थ इकाइयां, एनबीएफसी और बैंक कथित रूप से इस तरीके से जीएसटी की चोरी कर रहे थे। अभी तक करीब 824 करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी का पता चला है।

पीएम मोदी आज लांच करेंगे कमर्शियल 5जी सेवा

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक अक्टूबर को दिल्ली के प्रगति मैदान में 5जी सर्विस की शुरुआत करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने यह जानकारी दी है। प्रधानमंत्री को राजधानी के द्वारका सेक्टर 25 में दिल्ली मेट्रो के आगामी स्टेशन की एक भूमिगत सुरंग से 5जी सेवाओं के कामकाज का प्रदर्शन किया जाएगा। 5जी टेक्नोलॉजी के मदद से बिना किसी रुकावट के हाई स्पीड इंटरनेट का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह टेक्नोलॉजी जगत में एक क्रांति है। सूत्रों के मुताबिक, निर्माणाधीन आईआईसीसी परिसर में सुरंग के एक हिस्से को चुना गया है, जहां प्रधानमंत्री को सुरंग के अंदर 5जी नेटवर्क का प्रदर्शन दिखाया जाएगा। सुरंग के अंदर 5जी सेटअप में दूरसंचार उपकरण, कैमरा, ऑप्टिकल फाइबर केबल शामिल हैं। दिल्ली मेट्रो ने 5जी प्रदर्शन के लिए साजोसामान मुहैया कराया है। विशेषज्ञों का मानना है कि कमर्शियल 5जी सर्विस की कल शुरुआत होने जा रही है, हालांकि इसे आम लोगों तक पहुंचने एक साल से ज्यादा का वक्त लग सकता है। संचार मंत्रालय ने अपने एक बयान में कहा कि सालों की मेहनत के बाद 5जी सेवाओं की शुरुआत होने जा रही है। हाल ही में 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी सफलतापूर्वक आयोजित की गई थी और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को 1,50,173 करोड़ रुपए के सकल राजस्व के साथ 51,236 मेगाहर्ट्ज आवंटित किया गया था। संचार मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि नीलामी ने एक मजबूत 5जी इकोसिस्टम खओ जन्म दिया है, जो आईओटी, एम2एम, एएल, एज कंप्यूटिंग, रोबोटिक्स आदि से जुड़े मामलों

को पूरा कर सकेंगे। मंत्रालय ने बताया कि 5जी नए आर्थिक अवसरों और सामाजिक लाभों को प्राप्त कर सकता है, जो इसे भारतीय समाज के लिए एक परिवर्तनकारी शक्ति बनने की क्षमता प्रदान करता है। यह देश को विकास की पारंपरिक बाधाओं को दूर करने, स्टार्टअप्स और व्यावसायिक उद्यमों द्वारा इनोवेशन को बढ़ावा देने के साथ-साथ 'डिजिटल इंडिया' के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। भारत पर 5जी से आर्थिक प्रभाव 2035 तक 450 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

एयर इंडिया 20 अतिरिक्त साप्ताहिक उड़ानें शुरू करेगी

नई दिल्ली । विमानन कंपनी एयर इंडिया अगले तीन माह में बर्मिंघम, लंदन और सैन फ्रांसिस्को के लिए 20 अतिरिक्त साप्ताहिक उड़ानें शुरू करने पर विचार कर रही है। टाटा के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने अपनी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति को मजबूत बनाने की योजना बनाई है, जिसके तहत ये उड़ानें शुरू की जा रही है। कंपनी ने कहा कि सप्ताह में बर्मिंघम के लिए पांच अतिरिक्त उड़ानें, लंदन के लिए नौ अतिरिक्त उड़ानें और सैन फ्रांसिस्को के लिए छह अतिरिक्त उड़ानें शुरू की जाएंगी। इसके साथ ही ग्राहकों को हर सप्ताह 5,000 से अधिक अतिरिक्त सीटों की पेशकश की जाएगी। एयर इंडिया अभी ब्रिटेन के लिए हर हफ्ते 34 उड़ानों का संचालन करती है, और अब इनकी संख्या बढ़कर 48 हो जाएगी। बयान में कहा गया कि सात भारतीय शहरों से अब ब्रिटेन की राजधानी के लिए एयर इंडिया की सीधी उड़ानें होंगी। दूसरी ओर अमेरिका के लिए एयर इंडिया की उड़ानें प्रति सप्ताह 34 से बढ़कर 40 हो जाएंगी।

एपल का बाजार पूंजीकरण एक दिन में 120 अरब डॉलर घटा

नई दिल्ली । आईफोन बनाने वाली अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी एपल के शेयरों में 4.9 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। इससे कंपनी का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) करीब 120 अरब डॉलर कम हो गया।

यह रकम गौतम अडानी की नेटवर्थ से कम और मुकेश अंबानी की नेटवर्थ का डेढ़ गुना है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अडानी की नेटवर्थ 128 अरब डॉलर और अंबानी की नेटवर्थ 80.3 अरब डॉलर है। साथ ही यह रकम दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ की आधी है। मस्क की नेटवर्थ 240 अरब डॉलर है। बैंक ऑफ अमेरिका ने एपल की रेटिंग बाय से न्यूट्रल कर दी है। इससे कंपनी के शेयरों में भारी गिरावट आई। बैंक का कहना है कि कंपनी के पॉपुलर डेवाइसेज की मांग में गिरावट आ सकती है। एपल का मार्केट कैप करीब 2.3 लाख करोड़ डॉलर रह गया है। इस साल कंपनी के शेयरों में करीब 20 फीसदी गिरावट आई है जबकि इस दौरान नैसडैक 100 करीब 32 फीसदी गिरा है। कंपनी के शेयर की कीमत अब 142.48 डॉलर रह गई है। एपल के अलावा सभी टेक कंपनियों के शेयरों में गुरुवार को गिरावट दर्ज की गई। ऐमजॉन और गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट इंक के शेयरों में करीब तीन फीसदी गिरावट आई जबकि माइक्रोसॉफ्ट का शेयर 1.5 फीसदी गिरा। इसी तरह फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में 3.7 फीसदी की गिरावट आई। कंपनी के सीईओ मार्क जकरबर्ग का कहना है कि कंपनी पहली बार छंटनी करने जा रही है। इस साल कंपनी के शेयर 59 फीसदी गिर चुके हैं।

रिजर्व बैंक ने रेपो दर 0.5 प्रतिशत बढ़ाई, आर्थिक वृद्धि दर अनुमान कम कर 7.0 प्रतिशत किया

होम लोन सहित सभी तरह के लोन महंगे हो जाएंगे

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दर रेपो 0.5 प्रतिशत बढ़ाकर 5.9 प्रतिशत कर दी। खुदरा महंगाई को काबू में लाने और विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर में आक्रामक वृद्धि से उत्पन्न दबाव से निपटने के लिए केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट में इजाफा किया है। केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को कम कर 7.0 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिये आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को कम कर 7.0 प्रतिशत कर दिया है। रेपो दर में वृद्धि से बैंकों और वित्तीय संस्थानों से लिया जाने वाला कर्ज महंगा होगा और मौजूदा ऋण की मासिक किस्त बढ़ेगी। यह लगातार चौथी बार है जब नीतिगत दर बढ़ाई है। मई से लेकर अब तक आरबीआई रेपो दर में 1.90 प्रतिशत का इजाफा कर चुका है।

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने एक बयान में कहा कि एमपीसी ने रेपो दर 0.5 प्रतिशत बढ़ाकर 5.9 प्रतिशत करने का निर्णय किया है। एमपीसी के छह सदस्यों में पांच ने नीतिगत दर में वृद्धि का समर्थन किया। साथ ही समिति ने मुद्रास्फीति को काबू में लाने के लिये नरम नीतिगत रुख को वापस लेने पर ध्यान देते रहने का भी फैसला किया है। दास ने कहा कि हम कोविड महामारी संकट, रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों के नीतिगत दर में आक्रामक वृद्धि के कारण उत्पन्न नए तूफान का सामना कर रहे हैं। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए मुद्रास्फीति अनुमान को 6.7 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। दूसरी छमाही में इसके करीब छह प्रतिशत रहने का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि अगस्त में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति सात प्रतिशत थी, जो आरबीआई के संतोषजनक स्तर से ऊपर है। दास ने कहा कि अगर तेल के दाम में मौजूदा नरमी आगे बनी रही, तो महंगाई से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा

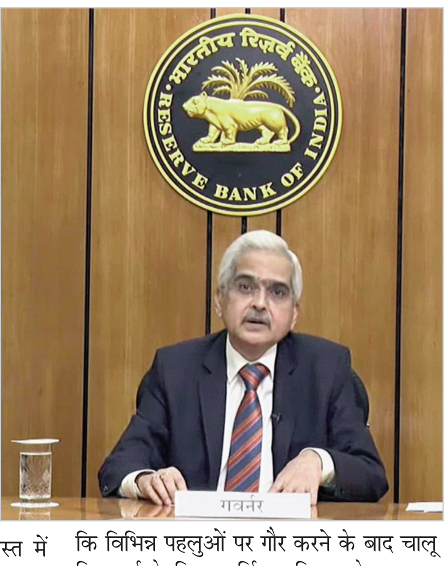

कि विभिन्न पहलुओं पर गौर करने के बाद चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 7.2 प्रतिशत से घटाकर 7.0 प्रतिशत किया गया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि वैश्विक संकट के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है।

आरबीआई की मौद्रिक नीति की मुख्य बातें

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की घोषित मौद्रिक नीति की मुख्य बातें निम्नलिखित हैं-

- प्रमुख नीतिगत दर रेपो 0.50 प्रतिशत बढ़कर 5.90 प्रतिशत हुई, जो तीन साल का सबसे ऊंचा स्तर है।
- वित्त वर्ष 2022-23 के लिए आर्थिक वृद्धि का अनुमान घटाकर सात प्रतिशत किया गया। अगस्त में इसके 7.2 प्रतिशत रहने की उम्मीद जताई गई थी।
- सितंबर तिमाही में जीडीपी के 6.3 फीसदी, दिसंबर और मार्च की तिमाहियों में 4.6 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद।
- मुद्रास्फीति का अनुमान चालू वित्त वर्ष के लिए 6.7 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया
- दिसंबर तक मुद्रास्फीति के आरबीआई के संतोषजनक स्तर छह प्रतिशत से ऊपर रहने का अनुमान।
- भारत की कच्चे तेल की खरीद की औसत कीमत 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल रहने की उम्मीद।
- आरबीआई कीमतों को काबू में रखने को लिए उदार मौद्रिक नीति के रुख को वापस लेने पर ध्यान केंद्रित करेगा।
- आरबीआई ने कहा कि रुपए की चाल अमेरिकी डॉलर के मुकाबले व्यवस्थित है। इस साल 28 सितंबर तक सिर्फ 7.4 प्रतिशत की गिरावट हुई।
- आरबीआई ने रुपए के लिए कोई निश्चित विनिमय दर तय नहीं की है। अत्यधिक अस्थिरता पर अंकुश लगाने के लिए बाजार में हस्तक्षेप किया जाता है।
- इस साल 23 सितंबर तक विदेशी मुद्रा भंडार 67 प्रतिशत घटकर 537.5 अरब डॉलर रह गया।
- केंद्रीय बैंक को बाह्य क्षेत्र के घाटे को पूरा

  करने का भरोसा।
- बाह्य कारणों से वस्तुओं का निर्यात प्रभावित हुआ, निजी खपत में तेजी आ रही है।
- कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में हाल में हुई गिरावट अगर टिकाऊ रही, तो मुद्रास्फीति से राहत मिल सकती है।
- बैंक ऋण 16.2 प्रतिशत की तेज गति से बढ़ा है।
- मौद्रिक नीति समिति की अगली बैठक 5-7 दिसंबर में होगी।

रुपया 24 पैसे मजबूत होकर 81.49 पर

मुंबई । अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया शुक्रवार को 24 पैसे मजबूत होकर 81.49 पर खुला। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समीक्षा से पहले रुपए में मजबूती आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि डॉलर के उच्च स्तर से नीचे आने के साथ रुपए में मजबूती आई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 81.60 रुपए पर खुला और बाद में 24 पैसे चढ़कर 81.49 तक आ गया। गुरुवार को रुपया 20 पैसे की बढ़त के साथ 81.73 पर बंद हुआ था। इससे पहले बुधवार को यह अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया था।

सोने और चांदी की कीमतों आई तेजी

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी का असर अब भारतीय बाजार पर भी देखने को मिल रहा है। शुक्रवार, 30 सितंबर को वायदा बाजार में सोने और चांदी के भाव हरे निशान में खुले हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दोनों कीमती धातुएं लगातार दूसरे दिन तेजी के साथ कारोबार कर रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का भाव शुरुआती कारोबार में 0.01 फीसदी तेजी के साथ खुला है। इसी तरह चांदी की कीमत भी कल के बंद भाव से 0.48 फीसदी ऊपर चल रही है। शुक्रवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव सुबह 6 रुपए तेज होकर 50,000 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया था। गौरतलब है कि गुरुवार को एमसीएक्स पर सोने में सुबह कारोबार गिरावट के साथ शुरू हुआ था लेकिन शाम तक इसमें तेजी आई थी और यह 0.50 फीसदी तेजी के साथ बंद हुआ था। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में चांदी में भी तेजी देखी जा रही है। चांदी का भाव 267 रुपए बढ़कर प्रति किलो 56,427 रुपए हो गया है। चांदी में

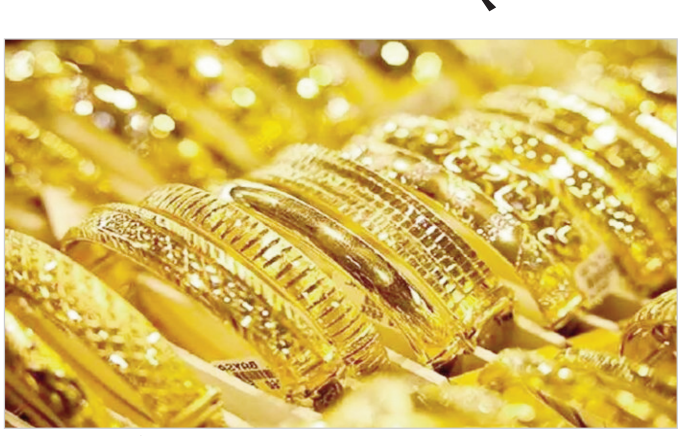

कारोबार 56,400 रुपए से शुरू हुआ था।

कुछ देर बाद भाव बढ़कर 56,550 रुपए हो गया लेकिन मांग में कमजोरी से भाव गिरकर 56,427 पर कारोबार करने लगा। अतंरराष्ट्रीय बाजार में आज दूसरे दिन सोने का भाव हरे निशान में कारोबार कर रहा है। सोना 0.12 फीसदी उछला है। सोने का हाजिर भाव 1,662.85 डॉलर प्रति औंस हो गया है।

भारत और कैलिफोर्निया शून्य उत्सर्जन वाहनों पर सहयोग करने को सहमत

वाशिंगटन ।

भारत ने अपने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उद्योग का विस्तार करने और जलवायु परिवर्तन संबंधी जोखिमों को दूर करने के लिए अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया के साथ गठजोड़ किया है। इस गठजोड़ के तहत दोनों पक्ष शून्य-उत्सर्जन वाले वाहनों के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार के लिए काम करेंगे।

कैलिफोर्निया में दुनिया की सबसे उन्नत शून्य-उत्सर्जन वाहन (जेडईवी) नीतियां हैं। इसमें 2035 तक 100 प्रतिशत जेडईवी को पास करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य भी शामिल है। गठजोड़ के तहत कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, अनुसंधान संस्थान डेविस इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रांसपोर्टेशन स्टडीज ने एक नया भारत जेडईवी शोध केंद्र स्थापित किया। कैलिफोर्निया-भारत जेडईवी नीति कार्यक्रम का मकसद भारत में जेडईवी को बढ़ावा देना, भारत में ईवी उद्योग की वृद्धि में योगदान करना और भारत की औद्योगिक वृद्धि को गति देना है।

इस गठजोड़ का एक मकसद भारत को जेडईवी संक्रमण में वैश्विक स्तर पर रणनीतिक नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरने में मदद करना भी है। पिछले सप्ताह पिट्सबर्ग में केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह की उपस्थिति में स्वच्छ ऊर्जा मंत्रिस्तरीय बैठक के मौके पर कैलिया-भारत जेडईवी साझेदारी की घोषणा हुई थी।

महंगाई ने बिगाड़ा बजट, जरूरत का सामान खरीदने में भी हिचक रहे लोग

नई दिल्ली ।

देश में बढ़ती महंगाई ने आम आदमी का बजट बिगाड़ दिया है। स्थिति यह है कि ग्रामीण भारत में रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले सामान की खरीदारी में भी कटौती की जा रही है।

बाजारों में खाने का तेल, कपड़े धोने के उत्पाद, बिस्कुट और चॉकलेट समेत कई जरूरी वस्तुओं की बिक्री में 5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इसके अलावा पर्सनल हाइजीन प्रॉडक्ट्स जैसे कि टॉयलेट साबुन की बिक्री भी कम हुई है।

रिसर्च फर्म कंतार एंड ग्रुपएम की एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गिरावट दिसंबर 2021 और जुलाई 2022 के बीच दर्ज की गई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि बड़ी संख्या में ग्रामीण उपभोक्ता घरेलू बजट बनाए रखने के लिए ब्रांड के छोटे पैक खरीद रहे हैं। इस स्टडी में गांवों के 4,000 से अधिक उपभोक्ताओं को शामिल किया गया, जिनकी उम्र 18 से 55 वर्ष के बीच थी।बड़ी मात्रा में 70त्न प्रतिभागियों ने महंगाई को इसके पीछे बड़ी वजह बताया है। जिन लोगों ने अपनी फाइनेंशियल स्थिति खराब होने की बात स्वीकार की है, ऐसे में लोगों ज्यादा मजदूर, दुकानदार और छोटे व्यवसायी दुकानदार थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि कृषि में लगे लोग अपनी फाइनेंशियल स्थिति को लेकर कम चिंतित थे, लेकिन ऐसे लोगों ने वे देश के आर्थिक हालत पर चिंता जरूर दिखाई।

इससे पहले एक अन्य रिपोर्ट में यह बात सामने आई थी कि ग्रामीण क्षेत्रों में फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) उत्पादों की मांग जून तिमाही में शहरी क्षेत्र की तुलना में कम थी।

इसमें 2।4 फीसदी की गिरावट आई थी। सितंबर की शुरुआत में एक इंटरव्यू के दौरान कांतार ने कहा कि ग्रामीण उपभोक्ता खर्च में कटौती करने के लिए छोटे पैक खरीदने के लिए मजबूर हो रहे हैं।

संतूर साबुन बनाने वाली एफएमसीजी फर्म विप्रो कंज्यूमर केयर ने हाल ही में माना था कि शहरी बाजारों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे पैक की मांग ज्यादा थी। कंपनी ने कहा था कि भले ही महंगाई स्थिर हो रही है और सितंबर में मांग में मामूली सुधार हुआ है, लेकिन बिहार, उत्तर प्रदेश और बंगाल में औसत से कम मानसून के कारण मांग में गिरावट आ सकती है।

पेट्रोल और डीजल राजस्थान समेत 4 राज्यों में महंगा हुआ

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में शुक्रवार को एक बार फिर कच्चे तेल की कीमत में मामूली गिरावट देखने को मिली है। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 88.51 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है, जबकि डब्ल्यूटीआई 81.30 डॉलर प्रति बैरल के भाव बिक रहा है। हालांकि, देश के चार महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सिर्फ राजस्थान समेत 4 राज्यों में 34 पैसे तक की बढ़ोतरी हुई है। तीन अन्य राज्य जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक और मणिपुर हैं। राजस्थान में पेट्रोल बढ़कर 108.85 रुपए प्रति लीटर हो गया है, वहीं डीजल 94.06 रुपए प्रति लीटर हो गया है। बाकी राज्यों में मामूली बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा तेलंगाना में पेट्रोल 34 पैसे गिरकर अब 111.32 रुपए प्रति लीटर और डीजल 33 पैसे गिरकर 99.36 प्रति लीटर पर पहुंच गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

गाजियाबाद में 96.33 रुपए और डीजल 89.45 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.53 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.48 रुपए और डीजल 94.26 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

फुटबॉल विश्व कप के दौरान दर्शकों के लिए कोविड जांच अनिवार्य

जिनेवा । फुटबॉल विश्व कप के दौरान कतर जाने वाले दर्शकों के लिए कोरोना जांच की नेगेटिव रिपोर्ट दिखाना अनिवार्य होगा। आयोजकों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इसके साथ ही 18 वर्ष और उससे अधिक के दर्शकों को सरकारी फोन ऐप एथेराज भी डाउनलोड करना होगा जिससे उनकी गतिविधियों और स्वास्थ्य स्थिति पर नजर रखी जाएगी। विश्व कप आयोजकों ने कहा, 'इंडोर सार्वजनिक स्थानों पर जाने के लिए एथेराज का हरा संकेत जरूरी होगा।' 20 नवंबर से 18 दिसंबर तक होने वाले टूर्नामेंट में दर्शकों के लिए कोरोना टीकाकरण अनिवार्य नहीं है। दर्शकों को कतर पहुंचने से 48 घंटे पहले ही नेगेटिव पीसीआर रिपोर्ट दिखानी होगी या 24 घंटे पहले का आधिकारिक रैपिड एंटीजेन टेस्ट दिखाना जरूरी है।

एशिया कप : वनडे की लय बरकरार रखने उतरेगी भारतीय महिला टीम

सिलहट (बांग्लादेश) ।(एजेंसी)

इंग्लैंड को क्लीन स्वीप करने के बाद उत्साह से ओतप्रोत भारतीय टीम रन आउट विवाद को पीछे छोड़कर महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में अपनी लय बरकरार रखने के लिए उतरेगी, जहां शनिवार को उसका पहला मैच श्रीलंका से होगा। भारतीय महिलाओं को टी20 प्रारूप में हाल में बहुत अधिक सफलताएं नहीं मिली हैं लेकिन इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। पिछली बार के टूर्नामेंट को छोड़कर भारत ने 2004 से शुरू हुए एशिया कप में हर बार खिताब जीता है। उसने वनडे प्रारूप में चार जबकि टी20 प्रारूप में दो खिताब हासिल किए हैं। एशिया कप को 2012 में वनडे से टी20 प्रारूप में तब्दील कर दिया गया था। भारत तब से दो बार इसमें विजेता रहा जबकि 2018 में पिछले टूर्नामेंट में उसे बांग्लादेश से हार का सामना करना पड़ा था। कोविड-19 के कारण चार साल बाद आयोजित किए जा रहे इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम अपना दबदबा बरकरार रखने की कोशिश करेगी। पिछला टूर्नामेंट बांग्लादेश में 2020 में खेला जाना था लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में ऐतिहासिक रजत पदक जीतने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम को इस महीने के शुरू में इंग्लैंड से टी20 श्रृंखला में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम ने वनडे में शानदार वापसी की और 3-0 से क्लीनस्वीप करके दिग्गज तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी को शानदार विदाई दी। यह श्रृंखला आखिर में हालांकि नॉन स्ट्राइक छोर पर रन आउट करने के कारण चर्चा में रही। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने इंग्लैंड के बल्लेबाज चार्ली डीन को गेंद फेंकने से पहले क्रीज से बाहर निकल जाने पर रन आउट कर दिया था। इस तरह से रन आउट करना वैध माना जाता है लेकिन इसे खेल भावना नहीं माना जाता। भारतीय टीम इस घटना को पीछे छोड़ कर सकारात्मक पहलुओं के साथ आगे बढ़ने की कोशिश करेगी।

ISL 2022 : सात अक्टूबर से शुरू होगा टूर्नामेंट, केरल ब्लास्टर्स और ईस्ट बंगाल के बीच होगा पहला मैच

मुंबई ।(एजेंसी)

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) का नया सत्र सात अक्टूबर से शुरू होगा जिसका पहला मैच कोच्चि के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में पिछले साल के उपविजेता केरल ब्लास्टर्स और ईस्ट बंगाल के बीच खेला जाएगा। वैश्विक फुटबॉल लीग की तर्ज पर आईएसएल के मैच गुरुवार और रविवार के बीच खेले जाएंगे। आईएसएल में भाग लेने वाली टीमें अभी एशिया की सबसे पुरानी प्रतियोगिता डूरंड कप में खेल रही हैं। आईएसएल की समाप्ति के बाद अप्रैल में सुपर कप होगा। भारत की सबसे बड़ी फुटबॉल लीग में दो सत्र के बाद पहली बार दर्शकों की भी स्टेडियम में वापसी होगी। अधिक से अधिक दर्शकों को आकर्षित करने के लिए आईएसएल ने सप्ताहांत में अधिक मैच रखे हैं। आईएसएल के नए प्रारूप के अनुसार लीग चरण में शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें स्वतः ही सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

इसके बाद तीसरे से छठे स्थान पर रहने वाली टीम एक चरण के प्लेऑफ में खेलेंगी जिससे सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दो अन्य टीमों का निर्धारण होगा। मौजूदा चैंपियन हैदराबाद एफसी अपना पहला मैच नौ अक्टूबर को अपने घरेलू मैदान पर मुंबई सिटी एफसी से खेलेगा। लीग चरण में प्रत्येक टीम 20 मैच खेलेगी। इनमें से 10 मैच वह घरेलू मैदान पर खेलेगी।

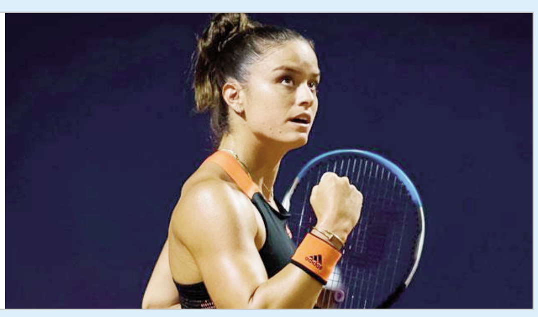

पार्मा ओपन : मैरीना जानेवस्का को हकाकर सेमीफाइनल में पहुंची मारिया सक्कारी

पार्मा (इटली) । शीर्ष वरीयता प्राप्त मारिया सक्कारी ने विश्व में 97वीं रैंकिंग की मैरीना जानेवस्का को तीन सेट तक चले मुकाबले में 2-6, 6-4, 6-4 से हराकर पार्मा ओपन महिला टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सक्कारी सेमीफाइनल में डंका कोविनिच से भिड़ेगी जिन्होंने एक अन्य क्वार्टर फाइनल मैच में जैस्मीन पाओलिनी को 6-4, 6-4 से हराया। इस बीच मिस्र की मेयर शेरिफ ने अमेरिका की लॉरेन डेविस को 7-6 (2), 6-3 से हराकर अपने करियर के दूसरे सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शेरिफ का सामना अब एना बोगडान से होगा, जिन्होंने रोमानिया की इरिना कामेलिया बेगू को 6-2, 7-6 (6) से पराजित किया।

IND vs SA: गुवाहाटी में भारतीय टीम का जोरदार स्वागत, अर्शदीप-दीपक ने काटा केक

(एजेंसी)

भारतीय टीम रविवार 2 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच से पहले भारतीय प्रशंसकों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए गुवाहाटी पहुंचे। टीम बस त्रिवेंद्रम में पिछले स्थल की तरह उत्साही भारतीय प्रशंसकों से घिरी हुई थी। पिछले मैच के नायक दीपक चाहर और अर्शदीप सिंह को बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में उनके आगमन पर एक साथ केक काटते हुए देखा गया। दीपक चाहर और अर्शदीप सिंह ने प्रोटियाज के खिलाफ पहले टी20 इंटरनेशनल में स्विंग गेंदबाजी के शानदार प्रदर्शन की बदौलत जीत दर्ज करने में मदद की और श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बनाई। चाहर और अर्शदीप के उस लुभावने शुरुआती स्पेल की बदौलत मामूली कुल तक ही सीमित रहे। हालांकि भारत ने कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को लक्ष्य का पीछा करते खो दिया, लेकिन सूर्यकुमार यादव और केएल राहुल ने विपरीत अर्धशतकों के साथ जीत सुनिश्चित की। श्रृंखला के पहले मैच में भारत की धमाकेदार सफलता का गुवाहाटी में जोरदार स्वागत किया गया जिसमें उपरोक्त तेज गेंदबाजी जोड़ी ने टीम होटल पहुंचने पर केक काटा।

इससे पहले भारत को एक दूसरे टी20 विश्व कप खिताब की खोज में एक बड़ा झटका लगा था क्योंकि जसप्रीत बुमराह को आगामी आईसीसी टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया था। शीर्ष क्रिकेट संस्था को अभी भी गेंदबाजी ऐस की चोट की सीमा की पुष्टि करनी है, लेकिन एक आधिकारिक बयान जारी किया है जिससे उन्हें दक्षिण अफ्रीका की मौजूदा श्रृंखला से बाहर कर दिया गया है। आरसीबी के मोहम्मद सिराज चोटिल तेज गेंदबाज के प्रतिस्थापन के रूप में शेष मुकाबलों के लिए भारतीय टीम में शामिल होने जा रहे हैं। बुमराह की चोट ने टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम में एक तेज गेंदबाज के लिए जगह खोल दी है और दीपक चाहर उस जगह को भरने के लिए कई नामों में से एक है। चाहर जिन्हें ऑस्ट्रेलिया में वैश्विक कार्यक्रम के लिए स्टैंडबाय सूची में रखा गया था जिन्हें स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है जो रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

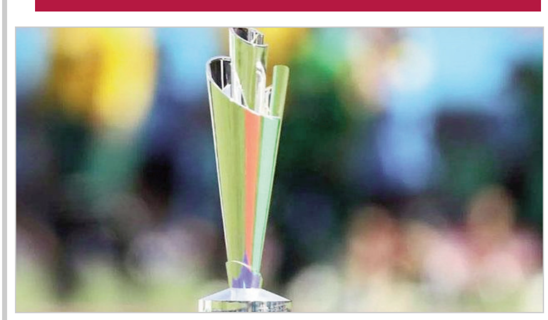

टी20 विश्व कप विजेता को मिलेगा इतने लाख डॉलर का इनाम

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार को घोषणा की ऑस्ट्रेलिया में होने वाले पुरुष टी20 विश्वकप की विजेता टीम को 16 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 13 करोड़ रुपए) की पुरस्कार राशि दी जाएगी। आईसीसी ने यहां जारी बयान में कहा कि उपविजेता टीम को विजेता टीम को मिलने वाली धनराशि से आधी पुरस्कार राशि मिलेगी। इस टूर्नामेंट में 16 टीम भाग लेंगी और यह लगभग एक महीने तक चलेगा। इसकी कुल पुरस्कार राशि 56 लाख अमेरिकी डॉलर है जिसमें से सेमीफाइनल में हारने वाली टीम में से प्रत्येक को 400,000 डॉलर मिलेंगे। सुपर 12 चरण से बाहर होने वाली आठ टीम में से प्रत्येक को 70,000 डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। आईसीसी ने कहा, 'पिछले साल खेले गए टी20 विश्व कप की तरह इस बार भी सुपर 12 चरण में होने वाले 30 मैचों में जीत दर्ज करने वाली प्रत्येक टीम को 40,000 डॉलर मिलेंगे।' आठ टीम को सुपर 12 चरण में सीधे प्रवेश दिया गया है। इनमें अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। अन्य आठ टीम पहले दौर में खेलेंगी, जिन्हें दो ग्रुप में बांटा गया है। इनमें ग्रुप ए में नामीबिया, श्रीलंका, नीदरलैंड, यूएई और ग्रुप बी में वेस्टइंडीज, स्कॉटलैंड, आयरलैंड और जिम्बाब्वे शामिल हैं। पहले दौर में किसी भी जीत पर 40,000 डॉलर दिए जाएंगे। इस तरह से 12 मैचों में कुल 480,000 डॉलर की पुरस्कार राशि दी जाएगी। पहले दौर में बाहर होने वाली चार टीम में से प्रत्येक को 40,000 डॉलर मिलेंगे। टी20 विश्व कप 16 अक्टूबर से 13 नवंबर के बीच ऑस्ट्रेलिया में खेला जाएगा।

36वें राष्ट्रीय खेल के मौके पर नवरात्रि का जश्न मनाते दिखे भारतीय खिलाडी, पीवी सिंधु ने किया जमकर गरबा

बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने अपने फैंस के साथ जमकर गरबा खेला, वह अहमदाबाद गरबा पांडाल पहुंची थीं.सिंधु का यह गरबा डांस सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा हैं। गरबा समारोह में सिंधु ने गुजराती गरबा करके लोगों के दिल जीत लिया। दो बार की ओलिंपिक पदक विजेता सिंधु अपने फैंस को खुश करने के लिए कुछ न कुछ करती रहती हैं. सिंधु के साथ पूर्व ओलंपियन और एथलीट अंजू बॉबी जार्ज भी इस समारोह में शामिल हुईं। दोनों खिलाड़ियों ने लोगों के साथ खूब डांस किया. वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. मौका था, नवरात्र के मौके पर अहमदाबाद में आयोजित गरबा समारोह का. आयोजन में पीवी सिंधु अलग ही अंदाज में नजर आईं. सिंधू ने एक वीडियो भी शेयर किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा,'जब नवरात्रि के दौरान अहमदाबाद में रहो, तब डांस करो।' सोशल मीडिया पर सिंधु का अंदाज खूब वायरल हो रहा है लोग इसे खूब शेयर कर रहे हैं।

महिला हॉकी टीम की स्ट्राइकर वंदना कटारिया ने कहा- हम सही प्रगति कर रहे हैं

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारतीय महिला हॉकी टीम की स्टार स्ट्राइकर वंदना कटारिया का मानना है की टीम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सही प्रगति कर रही है और खिलाड़ियों का ध्यान लक्ष्य तय करने और उन्हें हासिल करने पर लगा हुआ है। भारत की तरफ से 250 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली वंदना ने कहा की विभिन्न प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन के कारण अब विश्व में भारतीय महिला हॉकी को पहचान मिलने लग गई है। भारतीय टीम में सुधार का सबूत एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) स्टार अवार्ड्स के लिए कई खिलाड़ियों का नामांकन है। भारतीय कप्तान सविता को जहां वर्ष की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के लिए नामित किया गया है वहीं मुमताज खान को वर्ष की उदीयमान स्टार और मुख्य कोच यानिक शॉपमैन को वर्ष के कोच पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। वंदना ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, 'मेरा मानना है कि हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। तीन या चार साल पहले टीम बमुश्किल किसी पुरस्कार के लिए नामित हो पाती थी क्योंकि हमारा प्रदर्शन स्तरीय नहीं था। लेकिन अब हम अंतरराष्ट्रीय हॉकी में सही प्रगति कर रहे हैं और हमारे प्रदर्शन को पहचान मिल रही है। उन्होंने कहा,

'इस तरह की पहचान मिलने से बहुत अच्छा लगता है जिससे पता चलता है कि हमारा प्रदर्शन दुनिया की शीर्ष टीम के बराबरी पर है लेकिन अभी हमें पांव जमीन पर रखकर अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित रखना चाहिए।'

वंदना ने कहा, 'हमने टीम के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक लक्ष्य तय किए हैं और हम खेल के प्रत्येक विभाग पर ध्यान दे रहे हैं।'

हरमनप्रीत ने दीप्ति के रन आउट विवाद पर तोड़ी चुप्पी, कहा- यह योजना का हिस्सा नहीं था

सिलहट । महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शुक्रवार को कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में चार्ली डीन को रन आउट करना भारतीय टीम की योजनाओं का हिस्सा नहीं था, लेकिन यह खेल के नियमों के तहत था। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने इंग्लैंड की बल्लेबाज चार्ली डीन को गेंद फेंकने से पहले क्रीज से बाहर निकल जाने पर रन आउट कर दिया था। इस तरह से रन आउट करना वैध माना जाता है लेकिन इसे खेल भावना नहीं माना जाता। महिला एशिया कप से पहले हरमनप्रीत ने दीप्ति का समर्थन करते हुए कहा कि अब इस विवाद को पीछे छोड़ने का समय है। उन्होंने कहा, 'हम पिछले कुछ मैचों से इन बातों पर ध्यान दे रहे थे। वह क्रीज से काफी आगे निकल जा रही थी और अनुचित लाभ उठा रही थी, यह दीप्ति की जागरूकता थी (कि उसने रन आउट किया।)। भारतीय कप्तान ने कहा, 'यह योजना का हिस्सा नहीं था लेकिन हर कोई वहां मैच जीतने के लिए खेल रहा था। जब भी आप मैदान पर होते हैं तो आप किसी भी कीमत पर जीतना चाहते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस तरह से आउट करना नियमों के तहत था। हमें इसे पीछे छोड़कर आगे बढ़ना होगा।' महिला एशिया कप के अपने पहले मैच में शनिवार को भारत का सामना श्रीलंका से होगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए अभ्यास कर रहे धवन

नई दिल्ली । अनुभवी बल्लेबाज शिखर धवन आजकल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 6 अक्टूबर से शुरु होने वाली एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के लिए अभ्यास कर रहे हैं। धवन को इस सीरीज के लिए भारतीय टीम की कप्तानी मिल सकती है। वहीं उप कप्तान की जिम्मेदारी संजू सैमसन को मिलने की संभावना है। इसी सीरीज को लेकर धवन के अभ्यास का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। आमतौर पर धवन सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं और कई बार मजेदार वीडियो भी साझा करते रहे हैं। एकदिवसीय सीरीज से पहले उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो भी साझा किया था जिसमें वह जिम में अभ्यास करने के साथ ही नेट अभ्यास करते हुए भी दिखे। धवन ने इस वीडियो के कैप्शन में लिखा मेहनत करते जाओ और इतिहास बनाते जाओ। गौरतल है कि धवन ने अब तक अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में कुल 155 एकदिवसीय पारियों खेली हैं। इसमें उन्होंने 45.84 के औसत से कुल 6647 रन बनाए हैं। वहीं एकदिवसीय मैचों में उनके नाम कुल 17 शतक और 38 अर्धशतक हैं। भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका से पहला मुकाबला 6 को, दूसरा 9 को जबकि तीसरा 11 अक्टूबर को खेलेगी।

मोटो जीपी ने भारत में रेस कराने की आधिकारिक घोषणा की

नई दिल्ली।(एजेंसी)

मोटो जीपी (दोपहिया रेसिंग के वैश्विक आयोजक) ने 2023 सत्र से भारत में रेस कराने की शुक्रवार को पुष्टि की जिससे फॉर्मूला वन रेस के कैलेंडर से हटने के नौ साल बाद वैश्विक मोटरस्पोर्ट की देश में वापसी होगी। मोटो जीपी की ओर से जारी संभावित कैलेंडर में भारत में होने वाले आयोजन की तिथि 22 से 24 सितंबर है। विश्व की प्रमुख दोपहिया रेसिंग चैंपियनशिप का आयोजन फॉर्मूला वन की तरह बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर होगा। इस सर्किट ने 2011 से 2013 तक फॉर्मूला वन की मेजबानी की है। मोटो जीपी ने घोषणा की कि भारत अगले साल मोटरसाइकिल ग्रां प्री की मेजबानी करने वाला 31वां देश बन जाएगा। इसके अस्थायी कैलेंडर के मुताबिक 21 रेस के सत्र में भारत सितंबर में 14वें दौर की मेजबानी करेगा। इस रेस का नाम 'ग्रां प्री ऑफ भारत' रखा गया है। इससे पहले मोटो जीपी के वाणिज्यिक अधिकार धारक डोर्ना के शीर्ष अधिकारी इस महीने की शुरुआत में भारतीय रेस प्रमोटर्स फेयरस्ट्रीट स्पोर्ट्स (एफएसएस) के साथ सात साल के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए भारत आए थे। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ भी बैठक की थी। एफएसएस ने घोषणा की थी कि मोटो जीपी के एक दौर को अगले साल यहां आयोजित किया जाएगा, लेकिन डोर्ना के प्रबंध निदेशक कार्लोस इजपेलेटा ने सत्र की व्यस्तता का हवाला देते हुए किसी समय सीमा का जिक्र नहीं किया था। मोटो जीपी की ओर से शुक्रवार की घोषणा हालांकि इस तस्वीर को और अधिक स्पष्ट कर देती है। इजपेलेटा ने यहां जारी बयान में कहा, 'हमें यह घोषणा करते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट 2023 कैलेंडर में मोटो जीपी की मेजबानी करेगा। भारत में हमारे बहुत सारे प्रशंसक हैं और हम उनके लिए इस खेल को वहां लाने के लिए उत्साहित हैं।' इस विज्ञप्ति में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'इस तरह के वैश्विक आयोजन की मेजबानी करना उत्तर प्रदेश के लिए बहुत गर्व की बात है। हमारी सरकार मोटो जीपी भारत को पूर्ण समर्थन प्रदान करेगी।'

पुरुष टी20 विश्वकप विजेता टीम को मिलेंगे 13 करोड़ रुपए : आईसीसी

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि पुरुष टी20 विश्वकप विजेता टीम को 16 लाख अमेरिकी डॉलर (तकरीबन 13 करोड़ रुपए) की इनामी राशि दी जाएगी। आईसीसी ने अपने एक बयान में कहा कि उपविजेता टीम को इसकी आधी रकम तकरीबन साढ़ सात करोड़ रुपये मिलेंगे। टी20 विश्व कप का आयोजन ऑस्ट्रेलिया में 16 अक्टूबर से 13 नवंबर के बीच होगा। इस विश्वकप में 16 टीम भाग लेंगी और यह तकरीबन एक महीने तक चलेगा। इसके लिए कुल पुरस्कार राशि 56 लाख अमेरिकी डॉलर रखी गयी है जिसमें से सेमीफाइनल से बाहर होने वाली टीम में से प्रत्येक को 400,000 डॉलर मिलेंगे। वहीं सुपर 12 चरण से बाहर होने वाली आठ टीमों में से प्रत्येक को 70,000 डॉलर की इनामी राशि दी जाएगी। इसके पहले दौर में मिली किसी भी जीत पर 40,000 डॉलर दिए जाएंगे। इस प्रकार 12 मैचों में कुल 480,000 डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। वहीं पहले दौर में बाहर होने वाली चार टीम में से प्रत्येक को 40,000 डॉलर मिलेंगे। आईसीसी ने कहा, 'गत वर्ष खेले गए टी20 विश्व कप की तरह ही इस बार भी सुपर 12 चरण में होने वाले 30 मैचों में जीत हासिल करने वाली प्रत्येक टीम को 40,000 डॉलर मिलेंगे।% वहीं इसकी आठ टीमों को सीधे ही सुपर 12 चरण में प्रवेश मिलेगा। इनमें अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका की टीमें शामिल हैं। वहीं अन्य आठ टीमें पहले दौर में खेलेंगी, जिन्हें दो ग्रुप में बांटा गया है। इनमें ग्रुप ए में नामीबिया, श्रीलंका, नीदरलैंड, यूएई और ग्रुप बी में वेस्टइंडीज, स्कॉटलैंड, आयरलैंड और जिम्बाब्वे की टीम शामिल हैं।

परिवर्तित खेती
की आधुनिक युग में प्रासंगिकता

प्राचीन समय से अवधारणा है कि कृषि उत्पादन की तकनीक ऐसी होना चाहिए कि वह जीवन के पांच तत्व- भूमि, पानी, वायु, अग्नि एवं अंतरिक्ष (स्पेस) के प्रति सकारात्मक रहे। इस सर्वकालिक अवधारणा क अनुरुप, वर्ष 1980 के दशक से, परिवर्तित/जैविक खेती पर इस आधुनिकतम युग में सूक्ष्म अनुसंधान कार्य की निरंतरता बनाए रखी है इस अनुसंधान के महत्वपूर्ण बिन्दु जो उभर कर आये हैं वह इस प्रकार है।

भूमि जीवित है

मिट्टी में प्रचुर मात्रा में जैव कार्बन (0.5 प्रतिशत व अधिक) रहता है ऐसी भूमि में इन जीवों का वजन एक टन प्रति हेक्टेयर का अनुमान है। आबोहवा का कार्बन (सीओटू) हयूमस खेत के कचरे-बायोमास के विघटन से बनता है।

परिणामत

स्थानीय कचरा-बायोमास, खनिज, पशुओं का गोबर इत्यादि को जीवाणु कल्चर के संग आर्गेनिक मेन्यूअर-खाद के रुप में संवर्धित करें। संवर्धित मेन्यूअर उपलब्ध पोषक तत्वों की उपयोग क्षमता को बढ़ाता है। उत्पादन-उत्पादकता, भूमि की जीवंत प्रणाली के इर्द-गिर्द घूमती है।

भूमि का संरक्षण

प्रकृति के अनमोल उपहार भूमि-मिट्टी, जीव एवं जीवाश्म व पानी-जल को खेत व खेत के आसपास संरक्षित और सजीवता की अहम भूमिका है। भूमि पर विषैले रसायन जैसे कीट, फफूंद व खरपतवार-चारा नाशक के उपयोग से परहेज करे। इन रसायनों के अधिक उपयोग से भूमि की सजीव प्रणाली शनैः - शनैः नष्ट हो जाती है। प्राण विहीन विषैली मिट्टी के रुखापन, सख्त-कठोरता से उत्पादन शक्ति कम होती है।

भूमि के जहर को निष्क्रिय करें

पौधे की बुनियाद-प्राण जड़ों में है। फिक्र जड़ों की करें, वह अपनी दृष्टि से दूर जमीन में रहती है। रुट झोन रायजोस्फीयर याने जड़ों के आस-पास में प्राण वायु का संचार, जल-नमी की उपलब्धता, भूमि का उचित तापमान, भूमि में जड़ो के विकास के लिए मुनासिब रहे यह बुनियादी आवश्यकता है। इस हेतु भूमि की गुडाई के साथ प्रोटीन हाइड्रोलायसेस का छिड़काव व भूमि पर पल्वार, तापमान को समायोजित रखते हैं। प्रोटीन हायड्रोलायसेट (गोबर, दाल या खली, गुड़, गोमूत्र, खमीर का किण्वन-फरमेन्टेशन प्रॉडक्ट) को भूमि की विषाक्ता-जहर को निष्क्रिय करने- जहर को उतारने हेतु भूमि व पौधों पर छिड़काव, अंकुरण के बाद में व 30-40 दिन की अवस्था में करें। यह छिड़काव पौधों की वृद्धि व भूमिगत जीवों की संख्या तेज गति से बढ़ती है। परिणामः ऐन टैगनिस्ट-शत्रु जीवाणुओं को समाप्त कर उपयोगी जीवाणु-माइक्रोफलोरा, पौध पोषण जो स्थायी अपरिवर्तनीय (फिक्सट) अवशोषणी (आयनिक) रुप में परिवर्तित होने पर पौधों की जड़ों में प्रवेश लेना संभव होता है।

कैसे- मोनोकाट फसलों में, जैसे गेहूं की जड़ों पर माईकोराइजा सहजीवी फफूंद पाई जाती है। इस फफूंद के हायपा सूक्ष्म दर्शी ट्यूब मोनोकाट की जड़ें व दलहन की जड़ ग्रंथियों के मध्य पोषक तत्वों की आवक-जावक में सहयोग करती है। यह त्रिपक्षीय सहयोग का उदाहरण है। इस प्राकृतिक व्यवस्था का उपयोग करते हुए मोनोकाट गेहूं का पोषण हेतु रासायनिक/जैव खाद से प्राप्त होने वाले नत्रजन पर निर्भरता 70-80 प्रतिशत तक कम करना संभव होता है। इस प्राकृतिक सिद्धांत का लाभ लेना चाहिए। इसे किस प्रकार से निश्चित कार्य रुप दिया जाए? गेहूं के साथ में दलहनी चारा बरसीम/सेंजी (मिलीलोटस), लुसर्न को सहयोगी फसल के रुप में लगायें।

जल संवर्धन

प्राकृतिक संपदा मिट्टी, जीवाश्म व जल संवर्धन एक दूसरे के अनुकूल व संपूरक है। इस प्रकल्प की पूर्ति हेतु प्रत्येक खेत के आसपास मेढ़ के स्थान पर नालियां बनाए। प्रत्येक फार्म, फार्म के निकट पोखर/छोटी कुइया बनें। यह रिचार्ज-जल रिसन में सहायक होते है। तकनीक देखने में छोटी प्रतीत होती है पर परिणाम बहुआयामी है। भूमिगत जल स्तर में भारी गिरावट आ रही है। भूमिगत जल स्तर को तेजी से ऊपर उठानें हेतु, टयुब वेल-नलकूप क आस पास गहरे रिचार्ज सेफट बनाए। इसे पोखर-तालाब में भी बनाएं। ऊपरी पर्तो-प्रोफाइल के जल की गुणवत्ता बेहतर रहती है जो उर्वरा भूमि व कम्पोस्ट के संग उत्पादन में उत्तरोत्तर वृद्धि करना संभव हो जाता है विशेष कर मानसून आधारित खेती से भी। परिवर्तित खेती अपनाने पर खेती लाभ का व्यवसाय के साथ में सहायक रोजगार से ग्रामीण अर्थव्यवस्था विकसित करने के लक्ष्य की पूर्ति संभव है। परिवर्तित खेती अपनाने पर रोजगार के अवसर में वृद्धि से युवा वर्ग भी ग्रामीण क्षेत्र के इकोफ्रेन्डली वातावरण में रहना पसंद करेगा।

उपसंहार

प्रस्तावित परिवर्तित खेती तकनीक के पक्ष में ठोस वैज्ञानिक अनुसंधन के सकारात्मक निष्कर्ष है। इस विषय पर वृद्ध विवेचना पुस्तक परिवर्तित खेती व पर्यावरण सुरक्षा लेखक वि-न.श्रॉफ में दी गई है। यह मौलिक ग्रंथ है, जो दक्षता के साथ तर्क-वितर्क के चातुर्य से आश्वस्त करते हुए अपील की गई है कि पुनः परिवर्तित-जैविक खेती को अपनाया जाय। इस पुस्तक को कृषि कार्यमाला का व्यवहारिक रुप दिया गया है। इस में प्रत्येक स्टेक होल्डर को लक्ष्य में रखा है, जैसे कृषक, उपभोक्ता, अनुसंधानकर्ता, विद्यार्थी, ट्रेनर-प्रशिक्षक, व्यवसायी, सामाजिक नियोजनकर्ता इत्यादि को। द्वितीय हरितक्रांति की सफलता का आधार स्तंभ है, ज्ञान व दक्षता। सदाबहार उच्च उत्पादन को प्राप्त करने का लक्ष्य है, किसी भी प्रकार से पर्यावरण को हानि न पहुंचाते हुए। इस के साथ में हरित-ग्रीन जी.डी.पी. विकास जौ विश्व स्तर पर खाद्य पदार्थो की कीमतों की उथल-पुथल को नियंत्रण में रखते हुए। मंदी के दौर से उभरते हुए, भूख व कुपोषण से निजात पाने में प्रस्तावित तकनीक सहायक है। इस से ही सामाजिक न्याय की परिकल्पना को मूर्त रुप देने में सफलता मिलेगी।

जैव विविधता

प्रत्येक फार्म के चारों तरफ कई प्रकार की वनस्पति होना चाहिए। पौधे जिसका उपयोग कीट नियंत्रण हेतु जैसे नीम, महुआ, रत्नजोत, गेंदा, तुलसी, सुर्जना, आयपोमिया, अकुआ, धतूरा, लहसुन, मिर्च, सीताफल की पत्तियां-बीज इत्यादि को स्थान दें। इस के उपरांत पक्षी, मेंढक, उल्लू, सर्प वर्ग के जीव, मित्र कीट को संरक्षण दे। यह प्राकृतिक संतुलन को बनाये रखना में उपयोगी है। समस्त जीवों के हित में इसे संरक्षण दें फार्म के आस-पास ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के अलावा प्राकृतिक आवास स्थलों में।

जैव उर्वरक के गुण

जैव उर्वरक (खेती के लिए एक अनिवार्य आदान-प्रदान)

पोषण भोजन सजीवों की प्राथमिक आवश्यकता है जो पौधों की वृद्धि एवं विकास में सहायक है, जिसमें सभी तत्वों का आवश्यक एवं संतुलित मात्रा में होना अति आवश्यक है, पौधों के लिए मुख्यतः हवा, पानी, भूमि तथा उर्वरकों से प्राप्त होते है। पोषक तत्वों को पौधों की प्रायः अवस्था में बदलने का कार्य सूक्ष्म जीवों द्वारा किया जाता है। ये सूक्ष्म जीव ही जैव उर्वरकों के नाम से जाने जाते हैं, जो भोजन की पूर्ति के साथ-साथ फसल को कई प्रकार से लाभांवित करते हैं, जैसे पादप क्रियाओं में वृद्धि पौधों के लिए विटामिंस तथा हारमोन्स का निर्माण तथा उनका क्रियांवयन, एंटीबायोटिक व रोग निरोधक क्षमता का निर्माण तथा पौधों के जड़ भाग में नमी का संरक्षण कर अन्य कई प्रकार से पौधों को सुरक्षा प्रदान करते हुए मिट्टी की उर्वरता को लम्बे समय उपजाऊ बनाने में सहायक है। अतः जैव उर्वरक भूमि की लम्बी आयु के द्योतक है।

राइजोबियम

यह जीवाणु सभी दलहन फसलों के जड़ भाग में ग्रंथि का निर्माण कर दलहन फसलों की 80-90 प्रतिशत मांग की पूर्ति करता है। जिसे बीजोपचार द्वारा 10 से 12 किलो बीज में एक राइजोबियम 200 ग्राम के पैकेट को एक गिलास पानी या चावल के माड में लेही बनाकर बीजों में मिलाया जाता है। तथा सभी दलहनों के लिए अलग-अलग विशेष राइजोबियम कल्चर का प्रयोग होता है।

एजेटोबेक्टर

यह जीवाणु कल्चर सभी फसलों के लिए नत्रजन की 15 से 35 किलो प्रति हेक्टेयर तक की पूर्ति करता है।

एजोस्पिरिलिम

यह जीवाणु एजोटोबेक्टर जैसा ही जैव उर्वरक है तथा इसे बीजोपचार पौध-जड़ोपचार तथा मिट्टी उपचार द्वारा सभी फसलों में प्रयोग किया जा सकता है। तथा नत्रजन की स्थिरीकरण क्षमता 20-20 किलो प्रति फसल है।

एसीटोबेक्टर

यह जैव उर्वरक मुख्यतः गन्ने के लिए विशेष उपयोगी है। गन्ने के साथ-साथ शर्करा वाली फसलों के सम्पूर्ण भाग में पनपकर 65 से 150 किलो प्रति हेक्टर तक नत्रजन की पूर्ति करता है।

पीएसबी कल्चर

इसमें प्रयोग होने वाले जीवाणु खेत में पड़े फास्फोरस को जो कि पौधों को पूरी तरह प्राप्त नहीं होता, को घुलनशील अवस्था में परिवर्तित कर फसल के लिए उपयोगी बनाता है जिससे व्यर्थ फास्फोरस का अधिकतम उपयोग हो जाता है जिससे फसल को 10-40 किलो फास्फोरस उपलब्ध होकर फसल में 7-21 प्रतिशत तक की वृद्धि होती है तथा सभी फसलों के लिए लाभदायक होता है।

वैम माइकोराइजा

यह जीवित लाभदायक फफूंदी जो फसलों के सम्पूर्ण जड़ भाग में पनपकर पौधों में फास्फोरस के साथ-साथ अनेक सभी आवश्यक पोषक तत्वों की उपलब्धता को बढ़ाते हैं तथा नमी संरक्षण व कई रोगों से सुरक्षा प्रदान करते हैं। उसका उपयोग बीजोपचार व पौध-जड़ोपचार द्वारा किया जा सकता है।

एजोला एवं बीजीए

एजोला एक जलीय खरपतवार है। इसे तालाब व झील आदि से एकत्रित कर धान के खेत में डाल सकते हैं। जबकि बीजीए कल्चर (5 किलो प्रति एकड़) को जैव उर्वरक उत्पादन केन्द्र से खरीद कर धान के खेत में रोपाई के समय प्रयोग करते हैं तथा दोनों ही अलग-अलग 30 से 40 किलो प्रति हेक्टर नत्रजन की पूर्ति करते है। एजोला एवं बीजीए दोनों ही धान के लिये उपयोगी है।

कम्पोस्ट डिकम्पोजर

यह कल्चर गोबर की खाद व कम्पोस्ट की विच्छेदन क्रिया को तेल कर कम समय में खाद तैयार हो जाती

है तथा इस कल्चर को 1 से 3 प्रतिशत कच्चे खाद की मात्रा के अनुसार गड्ढों में मिला देते हैं।

रोग बायोकन्ट्रोलर

ऐसे बहुत से कल्चर अब बाजार में उपलब्ध होने लगे है कि जैविक क्रिया के उत्पादों द्वारा कई बीमारियों एवं कीट-लार्वा आदि से फसल सुरक्षा करते है तथा फसलों में कल्चर की तरह से प्रयोग किये जाते हैं।

प्लांट राजोबैक्टिरिया

इसमें प्राप्त लाभदायक सभी जीवाणु जो पौधों के जड़ क्षेत्र में पनपते हुए फसलों को विभिन्न प्रकार से लाभांवित करते हैं जिसमें मृदा, पौधों दोनों का स्वास्थ्य अच्छा रहता है।
जैव उर्वरकों की प्रयोग विधि

बीजोपचार

सीधी बिजाई वाली सभी फसलों के लिए बीजोपचार उत्तम तरीका है। इसके लिए नत्रजन देने वाले तथा फास्फोरस देने वाले एक-एक पैकेट को घोले पानी अथवा ठंडे चावल के मांड में लेही बनाकर 10-12 किलो बीज पर काली परत चढ़ाने तक मिलायें तथा छाया में सुखाकर तुरंत बिजाई करें।

पौध जड़ोपचार

रोपाई की जाने वाली सभी फसलों के लिए 2 किलो एजेटोबेक्टर/एजोस्पिरिलम तथा उतनी ही मात्रा में फास्फोटिका आवश्यक जल में घोल बनाकर एक-दो घंटे रखें तथा धान के लिए रात भर रखें। इससे एक एकड़ पौध की रोपाई की जा सकती है।

मिट्टी उपचार

चार किलो एजेटोबेक्टर एजोस्पिरिलम अथवा दोनों दो-दो किलो तथा चार किलो पीएसबी कल्चर को उचित नमी वाले 100 से 150 किलो गोबर की तैयार खाद में मिश्रण तैयार कर 24 घंटे बाद फसलों की जड़ वाले भाग में प्रयोग करें।

गहरी जुताई
बड़ी कमाई

रबी की फसल कटाई के बाद अप्रैल से जून तक मिट्टी पलटने वाले हल या डिस्क प्लाऊ से की जाने वाली जुताई ग्रीष्मकालीन जुताई कहलाती है। यह जुताई आगामी खरीफ फसलों के लिए बहुत ही लाभकारी होती है । एक ही प्रकार के कृषि यंत्रों जैसे देशी हल या ट्रैक्टर चलित कल्टीवेटर आदि द्वारा खेतों की लगातार जुताई करते रहने के कारण भूमि में एक निश्चित गहराई में

कठोर परत बन जाती है। इस आंतरिक कठोर सतह के कारण वर्षा का जल भूमि में ठीक से प्रवेश नहीं कर पाता। भूमि, वर्षा जल का नहीं हो पाने से जल बहकर खेत से बाहर निकल जाता है । जिससे भूमि में नमी का उचित संरक्षण नहीं हो पाता । इसको उपयुक्त दशा में लाने के लिए रबी की फसल काटते ही जुताई आंरभ कर देनी चाहिए। क्योंकि फसल कटने के तुरंत बाद मिट्टी में थोड़ी बची नमी में भी जुताई करने में आसानी रहती है । बाद में मिट्टी की नमी के वाष्पीकरण से खेत सूख जाते हैं और गहरी जुताई करना कठिन हो जाता है। प्रत्येक तीसरे वर्ष खेतों की गहरी जुताई 40 सेमी. या इससे अधिक गहराई तक आवश्यक रूप से करनी चाहिए। ग्रीष्मकालीन जुताई के निम्न लाभ हैं -

मिट्टी के जल सोखने की क्षमता में वृद्धि - खेत की गहरी जुताई करने से मिट्टी पलट जाती है और भूमि के अन्दर निर्मित कठोर सतह के टूट जाने से गहराई तक भुरभुरी बन जाती है । इससे मानसून की पहली वर्षा का अधिकांश पानी जमीन के अंदर चला जाता है जो खरीफ फसलों के लिए बहुत ही लाभकारी होता है। पहली वर्षा के जल में वायुमण्डल में उपस्थित नाइट्रोजन भी घुली होती है और यह जल भूमि में प्रवेश कर खेत की उर्वराशक्ति में बढ़ोतरी करती है । जमीन में वर्षा का पानी प्रवेश करने से भूमि के जलस्तर में वृद्धि होती है। वर्षा आधारित असिंचित कृषि में ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई का भी विषेश महत्व है क्योंकि ऐसी स्थिति में फसलों सें अधिकतम उत्पादन प्राप्त करने के लिए वर्षा जल का अधिक मात्रा में भूमि के अंदर संचय होना आवश्यक है ।

मिट्टी के वायु संचार में वृद्धि - मिट्टी में बीजों का अंकुरण जड़ो की वृद्धि, उचित वायु संचार तथा मिट्टी जल को उचित मात्रा में बनाये रखने के लिए खेत में जैव कार्बनिक पदार्थ मिलाकर अच्छी प्रकार से जुताई करना चाहिए । जुताई से भूमि में जीवांश पदार्थ सड़कर पौध पोषक तत्वों में बदल मात्रा में बने रहते है तथा सूक्ष्म जीवों को उचित मात्रा में आक्सीजन मिलती रहती है ।

मिट्टी में उचित तापमान बनाये रखना- बोई गई फसल बीजों का अंकुरण कृषि भूमि के उचित तापमान पर निर्भर करता है । ग्रष्मिकालीन गहरी जुताई से मिट्टी अच्छी तरह पलट जाती है तथा भूमि के अंदर मिट्टी संरचना में सुधार होने से सूर्य की किरणें सीधी भूमि के अंदर पहुंच जाती है। इससे खरीफ फसलों के बोये गये बीजों का अंकुरण सही तापमान पर आसानी से हो जाता है तथा पौधों का विकस अच्छा होता हैं।

मिट्टी के गुणों में सुधार- भूमि की ऊपरी सतह पर रबी फसलों के बचे हुए पौध व खरपतवारों के अवशेश गर्मी में खेत की गहरी जुताई करने पर मिट्टी में अच्छी तरह से दब जाते हैं।

अफगानिस्तान के काबुल के एक स्कूल में बड़ा विस्फोट, 100 बच्चों की मौत!

काबुल। अफगानिस्तान के काबुल के एक स्कूल में भयंकर विस्फोट होने की खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक काबुल के स्कूल में आत्मघाती बम विस्फोट में कम से कम 100 बच्चों की मौत हो गई। एक स्थानीय पत्रकार के अनुसार इस घटना में ज्यादातर मारे गए छात्र हजारा और शिया समुदाय से आते थे। हजारा अफगानिस्तान का तीसरा सबसे बड़ा जातीय समूह है। बीबीसी ने बताया कि विस्फोट शहर के पश्चिम में दश्त-ए-बारची इलाके में काज शिक्षा केंद्र में हुआ। एक स्थानीय पत्रकार बिलाल सरवरी ने ट्वीट करते हुए कहा कि अब तक अपने छात्रों के 100 शवों की गिनती की है। मारे गए छात्रों की संख्या बहुत अधिक है। कक्षा खचाखच भरी थी। यह एक नकली विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा थी, ताकि छात्र वास्तविक तैयारी कर सकें। पत्रकार ने भयावहता का जिक्र करते हुए कहा कि काज उच्च शिक्षा केंद्र के एक शिक्षक ने मानव शरीर के अंगों को उठाया और हाथ-पैर उठाए। माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर विस्फोट से पहले का एक वीडियो भी साझा किया गया था जिसमें छात्रों की कक्षा को निशाना बनाया गया था। पश्चिमी काबुल में दशते बारचे लगातार घातक आईकेपी हमलों का निशाना रहे हैं। हज़ारों और शियाओं की उनकी कक्षाओं के अंदर हत्या कर दी गई। पुलिस प्रवक्ता खालिद जादरान ने कहा, 'छात्र परीक्षा की तैयारी कर रहे थे तभी इस शैक्षणिक केंद्र पर एक आत्मघाती हमलावर ने हमला कर दिया। अफगानिस्तान में अमेरिकी मिशन के प्रभारी करेन डेकर ने एक ट्वीट में कहा, 'अमेरिका काज उच्च शिक्षा केंद्र पर आज के हमले की कड़ी निंदा करता है। परीक्षा देने वाले छात्रों से भरे कमरे को निशाना बनाना शर्मनाक है; सभी छात्रों को सक्षम होना चाहिए शांति से और बिना किसी डर के शिक्षा ग्रहण करें।'

वायु प्रदूषण के कारण कोरोना रोगियों के अस्पताल में भर्ती होने का खतरा ज्यादा

न्यूयॉर्क । अध्ययन में दावा किया गया है कि विभिन्न वायु प्रदूषणकारी तत्वों के संपर्क में आने से कोरोना रोगियों के अस्पताल में भर्ती होने का खतरा 30 प्रतिशत तक बढ़ता है, इससे वह लोग भी नहीं बच सकते, जिनका पूर्ण टीकाकरण हो चुका है। इन प्रदूषणकारी तत्वों में पीएम 2.5 और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड अहम हैं। शोधकर्ताओं सहित टीम ने एक अस्पताल में मरीजों के मेडिकल रिकॉर्ड का अध्ययन किया। अध्ययन के अनुसार 2021 के जुलाई या अगस्त में कोविड के 50,010 रोगियों की पहचान हुई हैं, जिनकी आयु 12 वर्ष और उससे अधिक थी। उस समय सार्स-सीओवी-2 के डेल्टा स्वरूप से अधिक लोग संक्रमित हो रहे थे वहीं कई लोगों को टीके लगाए गए थे। शोधकर्ता ने कहा कि ये निष्कर्ष महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वे दिखाते हैं कि कोविड टीके अस्पताल में भर्ती होने के खतरे को कम करने में सफल होते हैं। लेकिन जिन लोगों को टीके लग चुके हैं और वे भी प्रदूषित हवा के संपर्क में आते हैं, तब उसमें रोग की गंभीरता बढ़ने का अधिक खतरा है।

तूफान इयान ने फ्लोरिडा में मचाई भीषण तबाही

सेंट पीटर्सबर्ग । अमेरिका के फ्लोरिडा में आए चक्रवात 'इयान ने भारी तबाही मचा दी है। सर्वाधिक नुकसान बुनियादी ढांचे को पहुंचा है। बिजली गुल होने के कारण करीब 25 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। चक्रवात के कारण आई बाढ़ में डूबे घरों में लोग फंसे रहे। चक्रवात के कारण एक महत्वपूर्ण पुल का मुख्य क्षेत्र से संपर्क टूट गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने बृहस्पतिवार को आधिकारिक रूप से इस आपदा घोषित किया। अमेरिका में आए सबसे शक्तिशाली चक्रवातों में से शुमार इयान ने फ्लोरिडा प्रायद्वीप में तबाही मचाई और यहां भारी बाढ़ के हालात बन गए। चक्रवात 'इयान' के प्रभाव के चलते फ्लोरिडा और दक्षिण-पूर्वी अटलांटिक तट तक के क्षेत्र में भारी बारिश दर्ज की गई। अधिकारियों ने फ्लोरिडा में चक्रवात के कारण कम से कम एक मौत की पुष्टि की है। पुलिस ने कहा कि डेटोना बीच के पास डेल्टोना में 72 वर्षीय व्यक्ति अपने घर के पीछे एक नहर में मृत मिला। उन्हें लगता था कि मृतक संख्या ''सैकड़ों में होगी। वहीं, चक्रवात के कारण क्यूबा में दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारी ने कहा कि उनके कार्यालय को मदद के लिए काउंटी से सैकड़ों कॉल प्राप्त हो रही हैं, लेकिन मार्गों और पुल से संपर्क टूटने के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। राष्ट्रीय चक्रवात केंद्र (एनएचसी) ने कहा कि इयान तड़के एक उष्णकटिबंधीय तूफान में तब्दील हो गया और बाद में दिन में कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र के पास अटलांटिक जलक्षेत्र पर इसके तूफान के तौर पर उभरने की संभावना है। चक्रवात का अगला पड़ाव अमेरिका के साउथ कैरोलीना में होगा। फ्लोरिडा के तटके पासपोर्ट चार्लोट में चक्रवात की वजह से अस्पताल के भूतल में जलजमाव हुआ और चौथे तल की छत क्षतिग्रस्त हुई जहां आईसीयू स्थित है। अस्पताल में काम करने वाली एक डॉक्टर ने इसकी जानकारी दी।

ईरान पर प्रतिबंधों का पालन नहीं करने पर अमेरिका ने कई कंपनियों पर लगाए प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरानी पेट्रोलियम और पेट्रो-रसायन उत्पादों की ढुलाई और उनके वित्तीय लेन-देन को आसान बनाने को लेकर चीन, हांगकांग, भारत और संयुक्त अरब अमीरात स्थित कई कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रो-रसायन उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंधों से बचने के प्रयासों पर काबू के लिए अमेरिका कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्रालय विशेष रूप से चीन में स्थित दो कंपनियों- झोंगगू स्टोरेज एंड ट्रांसपोर्टेशन कंपनी लिमिटेड और डब्ल्यूएस शिपिंग कंपनी लिमिटेड पर प्रतिबंध लगा रहा है। ब्लिंकन ने एक बयान में कहा कि वित्त विभाग ईरान के साथ पेट्रो-रसायन व्यापार करने के लिए आठ अन्य कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगा रहा है, जो हांगकांग, ईरान, भारत और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित हैं। बयान के अनुसार, भारत की पेट्रो-रसायन कंपनी 'तिबालाजी पेट्रोकेम प्राइवेट लिमिटेड' पर प्रतिबंध लगाया गया है।

हिजाब विरोधी प्रदर्शनों ने ईरान में लिया उग्र रूप, 80 से ज्यादा लोगों की मौत

तेहरान । ईरान में महिलाओं का हिजाब के विरोध में प्रदर्शन ने उग्र रूप धारण कर लिया है। 14 दिनों से चल रहा विरोध प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहा है। देश के कुर्द इलाकों से शुरू हुए प्रदर्शनों में अब तक 80 से अधिक लोगों की जान चली गई है। एक मानव अधिकार संगठन की रिपोर्ट के हवाले से बताया गया कि पुलिस हिरासत में हुई छात्रा महसा अमीनी की मौत के बाद शुरू हुए हिंसक प्रदर्शनों में अब तक 83 लोगों ने अपनी जान गंवा दी है। ईरानी कुर्दिश शहर साकेज़ की 22 वर्षीय महसा अमीनी को इस महीने तेहरान में मोरलिटी पुलिस द्वारा हिजाब न पहनने के लिए गिरफ्तार किया गया था, जहां उनकी मौत हो गई थी।

प्रदर्शनों को ग्राउंड जीरो से रिपोर्ट करने को लेकर ईरान की सरकार पत्रकारों को भी गिरफ्तार कर रही है। ईरान में पत्रकारों की रक्षा करने वाली समिति ने बताया कि देश में सुरक्षा बलों ने 29 सितंबर तक कम से कम 28 पत्रकारों को हिरासत में लिया है। समिति का आरोप है कि सरकार नहीं चाहती है कि प्रदर्शनों की सही रिपोर्ट लोगों के सामने आ सके। वहीं लोगों पर पुलिस के बढ़ते अत्याचारों को देखते हुए जर्मनी की विदेश मंत्री ने गुरुवार को कहा कि वह चाहती हैं कि अमीनी की मौत के बाद यूरोपीय संघ ईरान पर प्रतिबंध लगाए।

ईरान की सेना ने प्रदर्शनों को समर्थन देने वाले कुर्द लड़ाकों के ऊपर मिसाइल और ड्रोन हमले शुरू कर दिए हैं। ईरान की स्टेट मीडिया की एक खबर के अनुसार इस्लामिक रेवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ग्राउंड फोर्स ने कुर्दिस्तान में एक के बाद एक 73 बैलिस्टिक मिसाइल और दर्जनों ड्रोन हमले किये हैं। आईआरजीसी का आरोप है कि कुर्दिस्तान की कोमला पार्टी देश में चल रहे हिजाब विरोधी हिंसक प्रदर्शनों को अपना समर्थन दे रही है। यह हमले कुर्द इलाकों के अलग-अलग 42 पॉइंट्स पर किये गए थे। हिजाब विरोधी प्रदर्शनों की शुरुआत ईरान के कुर्द-आबादी वाले उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों से हुई थी, जो धीरे धीरे राजधानी समेत 50 शहरों और कस्बों में फैल गए। अमीनी के गृह प्रांत कुर्दिस्तान में फैली अशांति के कारण ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स ने कुर्द इलाकों में भारी बमबारी की है। हमले के पूर्व आईआरजीसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पहले भी कुर्द इलाकों में चल रहे प्रदर्शनों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही थी।

ईरान में चल रहे हिंसक प्रदर्शनों के लिए इस्लामिक रेवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स ने कुर्द लड़ाकों को जिम्मेदार ठहराया है। आईआरजीसी के हवाले से सरकारी मीडिया ने बताया कि कुर्द ईरान के शहरों में हिंसा के पीछे शामिल थे। आईआरजीसी ने बताया कि लड़ाके देश में चल रहे हिजाब विरोधी प्रदर्शन के माध्यम से इस्लामी पवित्रता का अपमान कर रहे हैं।

ताइवान में राष्ट्रपति तसाई-इन-वेन समुद्री जहाज युसहान के साथ एक समारोह में शामिल हुईं।

गरबा डांस की धुनों से न्यूयॉर्क का टाइम्स स्क्वायर आबाद हुआ, झूम उठे लोग

न्यूयॉर्क । शक्ति उपसाना के पवित्र नवरात्रि त्योहार पर पूरे भारत ही नहीं पूरी दुनिया में धूम है। अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित टाइम्स स्क्वायर में दो लड़कियों द्वारा गरबा करते हुए एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। वायरल हो रहे इंस्टाग्राम रील में लड़कियों को नाचते हुए देखा जा सकता है। जबकि उनके आसपास की भीड़ उन्हें देख रही है और उनके डांस का वीडियो रिकॉर्ड कर रही है।

वीडियो में देखा जा सकता है कि लड़कियां गुजराती ट्रैक डकला पर डांस कर रही हैं। वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन दिया नवरात्रि आ रही है और गुज्जू पहले से ही धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने टाइम्स स्क्वायर पर वीडियो बनाने की कहानी को भी शेयर किया है। उन्होंने बताया कि वीडियो बनाने की योजना सुबह की थी लेकिन उन्होंने महसूस किया कि यह रात में काफी बेहतर दिखेगी।

उन्होंने कैप्शन में आगे लिखा कि केवल रात के 12 बजे के बाद ही हम इसे बना सकते थे। इसलिए हमने इसे रात के 2 बजे बनाया। एक यूजर ने वीडियो पर कमेंट करते हुए कहा, 'गरबा हम गुजराती के कन कन मैं है।' एक अन्य ने लिखा, 'पारंपरिक ड्रेस में प्यारी लग रही हैं।' एक और ने लिखा, 'यह बहुत अच्छा है।' एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'अदभुतज आप दोनों ने धमाल मचा दिया।' वीडियो को अपलोड होने के बाद से अब तक 95 हजार से ज्यादा बार देखा जा चुका है।

गोलीबारी के बाद जेलेंस्की ने रूस को बताया 'आतंकवादी देश'

कहा- हर जीवन का आपको जवाब देना होगा

पैनमुंजोम। (एजेंसी)।

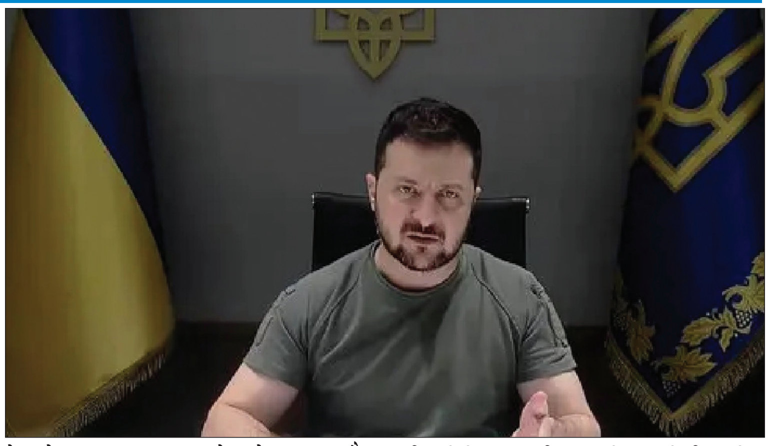

रूस और यूक्रेन के बीच जंग को सात महीने का वक्त गुजर चुका है। लेकिन ये जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तो परमाणु हमले की धमकी तक दे डाली है। वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने शुक्रवार को रूस को एक 'आतंकवादी देश' और 'खून का प्यासा बताया। दक्षिणी ज़ापोरिज्जिया में रूसी गोलाबारी के बाद एक संबोधन में, ज़ेलेंस्की ने कहा, 'केवल पूर्ण आतंकवादी ही ऐसा कर सकते हैं। हर खोए हुए यूक्रेनी जीवन के लिए,आपको जवाब देना होगा।

इससे पहले दिन में, पुतिन ने एक डिक्री द्वारा दक्षिणी यूक्रेन में स्थित दो क्षेत्रों - ज़ापोरिज्जिया और खेरसॉन की स्वतंत्रता को मान्यता दी थी। क्रेमलाइन डोनेट्स्क और लुगांस्क सहित कुल चार क्षेत्रों को जोड़ने की योजना बना रही है। चारों वर्तमान में रूसी नियंत्रण में हैं। जनमत संग्रह में ज़ापोरिज्जिया क्षेत्र में 93प्र. , खेरसोन क्षेत्र में 87प्र., लुहान्स्क क्षेत्र में 98प्र. और दोनेत्स्क में 99प्र. लोगों ने विलय का समर्थन किया है।

गौरतलब है कि इस सप्ताह की शुरुआत में यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्कीने कब्जे वाले क्षेत्रों में यूक्रेन के निवासियों की रक्षा और मुक्त करने की कसम खाई थी। ऐसे में ज़ेलेंस्की की प्रतिक्रिया रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा फरवरी में किए गए आक्रमण की रफ्तार बढ़ाने के फैसले के बाद आई है। इससे पहले राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के कार्यालय क्रेमलिन ने एक बयान में कहा कि शुक्रवार को रूस, यूक्रेन के 4 क्षेत्रों को आधिकारिक तौर पर अपने में सम्मिलित कर लेगा।

भारत और पाकिस्तान को साथ मिलकर जलवायु परिवर्तन पर काम करना चाहिए : बिलावल

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि समय आ गया है जब भारत और पाकिस्तान को साथ मिलकर जलवायु परिवर्तन पर काम करना चाहिए। इसके साथ ही बिलावल ने वैश्विक ताप के प्रभाव के कारण पाकिस्तान में आई अभूतपूर्व बाढ़ का भी उल्लेख किया। बिलावल इस समय कई द्विपक्षीय बैठकें करने के लिए वाशिंगटन में हैं। उन्होंने शुक्रवार को पाकिस्तानी मीडिया के एक समूह को बताया कि उनके देश में बाढ़ की विभीषिका के कारण जो स्थिति बनी हुई है उसे देखते हुए 'समय आ गया है कि भारत और पाकिस्तान दोनों साथ मिलकर जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर काम करें।'

बिलावल ने कहा, 'हमारे देश का एक तिहाई हिस्सा जलमग्न है। हर सात में से एक व्यक्ति (बाढ़ से पीड़ित है।) अगर हम जलवायु परिवर्तन से लड़ने की बात कर रहे हैं तो अमेरिका और चीन को साथ मिलकर काम करना चाहिए। हमें जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर भारत और पाकिस्तान को साथ मिलकर काम करने के बारे में विचार करना चाहिए।' संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के मुद्दे पर एक अन्य प्रश्न के जवाब में बिलावल ने कहा कि पाकिस्तान भारत की स्थायी सदस्यता की उम्मीदवारी का विरोध करता रहेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद वीटो को खत्म करने के पक्ष में है।

अमेरिका ने चीन, हांगकांग, भारत और यूएई स्थित कई तेल कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका ने ईरानी पेट्रोलियम और पेट्रो-रसायन उत्पादों की ढुलाई और उनके वित्तीय लेन-देन को आसान बनाने को लेकर चीन, हांगकांग, भारत और संयुक्त अरब अमीरात स्थित कई कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। भारत की पेट्रो-रसायन कंपनी 'तिबालाजी पेट्रोकेम प्राइवेट लिमिटेड' पर प्रतिबंध लगाया गया है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रो-रसायन उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंधों से बचने के प्रयासों पर काबू के लिए अमेरिका ने यह कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्रालय विशेष रूप से चीन में स्थित दो कंपनियों-झोंगगू स्टोरेज एंड ट्रांसपोर्टेशन कंपनी लिमिटेड और डब्ल्यूएस शिपिंग कंपनी लिमिटेड पर प्रतिबंध लगाया है। ब्लिंकन ने एक बयान में कहा कि वित्त विभाग ईरान के साथ पेट्रो-रसायन व्यापार करने के लिए आठ अन्य कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगाएगा, जो हांगकांग, ईरान, भारत और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित हैं।

बयान के अनुसार, भारत की पेट्रो-रसायन कंपनी 'तिबालाजी पेट्रोकेम प्राइवेट लिमिटेड' पर प्रतिबंध लगाया गया है। दरअसल, अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते ईरान की ऑयल इकोनॉमी बुरी तरह से प्रभावित हुई है और इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी भारी नुकसान हो रहा है। पिछले दिनों आई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ईरान परमाणु क्षेत्र में नई तकनीक को डेवलप कर रहा है, जिससे परमाणु युद्ध की आशंकाएं तेज हो गई हैं। इसके साथ ही यह बात भी सामने आई कि ईरान जल्द ही परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर कर सकता है, जिससे उसपर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों को हटाया जा सकता है।

अदालत के समक्ष पेश हुए इमरान, महिला न्यायाधीश को धमकी देने का था मामला

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान शुक्रवार को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जेबा चौधरी से व्यक्तिगत रूप से माफी मांगने के लिए यहां एक सत्र अदालत के समक्ष पेश हुए। खान ने एक सार्वजनिक रैली के दौरान महिला न्यायाधीश को कथित तौर पर धमकी दी थी। इस्लामाबाद में गत 20 अगस्त को एक रैली के दौरान, खान ने अपने सहयोगी शहबाज गिल के साथ हुए व्यवहार को लेकर शीर्ष पुलिस अधिकारियों, चुनाव आयोग और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की धमकी दी थी। गिल को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने न्यायाधीश चौधरी पर भी निशाना साधा था, जिन्होंने कैपिटल टेरिटरी पुलिस के अनुरोध पर गिल की दो दिन की हिरासत को मंजूरी दी थी। खान ने कहा था कि उन्हें (न्यायाधीश को) ''खुद को तैयार रखना चाहिए क्योंकि उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।'' भाषण के कुछ घंटों बाद, 69 वर्षीय खान पर उनकी रैली में पुलिस, न्यायपालिका और अन्य सरकारी संस्थानों को धमकी देने के लिए आतंकवाद-निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था।

समाचार पत्र डॉन की खबर के अनुसार, खान और उनके वकील संबंधित न्यायाधीश की अदालत में पेश हुए। हालांकि, न्यायाधीश के मातहत कर्मचारियों - कोर्ट रीडर चौधरी यासिर अयाज और आशुलिपिक फारूक ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख को सूचित किया कि न्यायिक मजिस्ट्रेट छुट्टी पर हैं। इसके बाद खान ने न्यायाधीश के लिए अयाज के पास एक संदेश छोड़ा। पीटीआई द्वारा ट्विटर पर साझा किए गए एक वीडियो में उन्हें कोर्ट रीडर से यह कहते सुना जा सकता है, ''मैं न्यायिक मजिस्ट्रेट जेबा चौधरी से माफी मांगने आया हूं।'' उन्होंने कहा, ''आप मैडम जेबा चौधरी को अवगत करा दें कि इमरान खान आए थे और अगर उनके (खान के) शब्दों से उनकी भावनाओं को ठेस पहुंची है तो वह माफी मांगना चाहते हैं।'' इसके बाद पीटीआई प्रमुख अदालत कक्ष से चले गए।

हिंद प्रशांत क्षेत्र में आगामी वर्षों में दुनिया के इतिहास का एक बड़ा हिस्सा लिखा जाएगा: बाइडन

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि उनका देश एक मुक्त, खुले, स्थायी और सुरक्षित हिंद प्रशांत क्षेत्र के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सामरिक रूप से महत्वपूर्ण इस क्षेत्र में आगामी वर्षों में दुनिया के इतिहास का एक बड़ा हिस्सा लिखा जाएगा। राष्ट्रपति ने वाशिंगटन में बृहस्पतिवार को दर्जनभर प्रशांत द्वीपीय देशों के नेताओं को संबोधित किया। हिंद प्रशांत क्षेत्र को सुरक्षित रखने और इन द्वीपों को चीन के बढ़ते प्रभाव से बचाने पर विमर्श के लिए पहली बार एक सम्मेलन आयोजित किया गया था जिसमें बाइडन ने अपने विचार व्यक्त किये। बाइडन ने कहा, 'आज प्रशांत और प्रशांत महासागर के द्वीपों की सुरक्षा हमारे लिए पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। अमेरिका और दुनिया की सुरक्षा आपकी सुरक्षा और प्रशांत द्वीपों की सुरक्षा पर निर्भर है।' उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य एक दूसरे के प्रति प्रतिबद्धता को और प्रगाढ़ करना तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए एक साझा भविष्य का निर्माण करना है। इस सम्मेलन में फिजी, सोलोमन आइलैंड्स, माइक्रोनिशिया, पापुआ न्यू गिनी, तुवालु, मार्शल आइलैंड, पलाउ, सामोआ, टोंगा, पालीनिशिया, न्यू कैलेडोनिया और कुक आइलैंड्स के राष्ट्राध्यक्ष शामिल हुए।

बाइडन ने कहा, ÷हम अमेरिका समेत दुनियाभर में जलवायु परिवर्तन के परिणाम देख रहे हैं। आपके देश भी इसका अनुभव कर रहे हैं। आप सबके लिए यह अस्तित्व का संकट है।' उन्होंने कहा, 'कोविड-19 और रूस के युद्ध के आलोक में हम वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी फिर से खड़ा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि मुक्त, खुले, स्थायी, सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत को सुनिश्चित किया जा सके।

अमेरिका के टेक्सास के आवासीय क्षेत्र में पांच लोगों के शव मिलने के बाद मचा हड़कंप

काहिरा (एजेंसी)।

मैकग्रेगर (ईएमएस)। अमेरिका के सेंट्रल टेक्सास की एक आवासीय कालोनी में पांच लोगों के शव मिलने के बाद सनसनी फैल गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। 'टेक्सास जन सुरक्षा विभाग' के प्रवक्ता सार्जेंट रयान हॉवर्ड ने बताया कि कई कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारी मैकग्रेगर पहुंच कर घटना की जांच कर रहे हैं। लेकिन अब तक मामले से जुड़ी विस्तृत जानकारी नहीं मिल पाई है।

हालांकि हॉवर्ड ने इन लोगों की मौत गोली लगने से होने के सवाल का जवाब देने से इनकार करते हुए कहा कि मौत का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा कि मारे गए लोगों के परिवार वालों को सूचना देने तक मृतकों की पहचान उजागर नहीं की जाएगी। हत्या का मकसद अभी पता नहीं चल पाया है। इस बीच 'मैकग्रेगर इंडिपेंडेंट स्कूल डिस्ट्रिक्ट' ने एक बयान जारी करते हुए खेल प्रतियोगिताएं आदि रद्द करने की सूचना दी और घटना से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

वहीं टेक्सास में अपराध की बात करें तो डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक सेफ्टी की 2020 क्राइम इन टेक्सास रिपोर्ट, कुल क्राइम में कमी लेकिन हिंसक अपराधों में वृद्धि को दर्शाती है। रिपोर्ट में राज्य भर में कुल अपराध दर में 4 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। प्रॉपर्टी क्राइम में साल 2020 में 5.9 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई थी। हालांकि, हिंसक अपराध दर में 6.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। टेक्सास में हिंसक अपराधों के रूप में वर्गीकृत आपराधिक अपराधों में हत्या, बलात्कार, डकैती और गंभीर हमले शामिल हैं। 2019 की तुलना में 2020 की दर में 35.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ हिंसक अपराधों में सबसे तेज वृद्धि हुई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

फिल्मी स्टाइल में सोने के गहने और हीरे से भरा बैग लूटा

मुंबई । मुंबई के कांदिवली (वेस्ट) में एक 52 साल के व्यक्ति से दो लोगों ने सात लाख रुपये की कीमत के सोने के गहने और हीरे से भरा बैग लूट लिया। दरअसल लूट करने वालों ने फिल्मी तरीका अपनाकर पुलिस वाला बनकर वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि पीड़ित मुंबई के कांदिवली ईस्ट में एक कंपनी में काम करता है। वह कंपनी सोने और हीरे के गहनों का व्यापार करती है। पीड़ित व्यक्ति कंपनी में सोना और हीरा कस्टमर को डिलीवर करने का काम करता है। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि वह कांदिवली (ईस्ट) से कांदिवली (वेस्ट) डिलीवरी करने जा रहा था। तब उसके साथ लूट की वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस ने बताया कि पीड़ित जब डिलीवरी के लिए जा रहा था तब उसके बैग में सात लाख रुपये की कीमत का सोना और हीरे थे। कंपनी उसे डिलीवरी करने के लिए ऑटो का खर्चा भी देती है, लेकिन उसने पैदल जाकर ऑटो के पैसे बचाने की सोची। पैदल जाते वक्त जब वह पुल पर पहुंचा तब वहां 2 लोग पुलिस की ड्रेस में खड़े हुए थे। उन्होंने व्यक्ति से पूछा कि क्या चबा रहे हो। उसने जवाब दिया तंबाकू चबा रहा हूं। उसका जवाब सुनकर नकली पुलिस वाले बोले कि तुम ड्रग्स तब नहीं ले रहे। इस तरह उसे गुमराह कर उसकी तलाशी लेने लगे। ठगों ने उससे तलाशी के लिए बैग दिखाने को कहा। बैग चेक करके दोनों बैग लेकर चलने लगे तब पीड़ित ने उन्हें रोकने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि हमारे सीनियर पुल के नीचे गाड़ी में बैठे हुए हैं। इस तरह वह लुटेरे भाग निकले।

गुजरात में एंबुलेंस को रास्ता देने के लिए रुका प्रधानमंत्री मोदी का काफिला

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद से गांधीनगर जाते समय शुक्रवार को एक एंबुलेंस को रास्ता देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का काफिला कुछ देर के लिए रुका। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की गुजरात इकाई के मीडिया प्रकोष्ठ द्वारा साझा की गई एक वीडियो में प्रधानमंत्री के काफिले में शामिल दो एसयूवी दिखाई दे रही हैं, और ये एसयूवी अहमदाबाद-गांधीनगर मार्ग पर एम्बुलेंस को रास्ता देने के लिए धीरे-धीरे बाईं ओर जा रही थीं। यह घटना उस समय हुई जब मोदी दोपहर में अहमदाबाद में दूरदर्शन केंद्र के पास अपनी जनसभा समाप्त करने के बाद गांधीनगर में राजभवन जा रहे थे। भाजपा की गुजरात इकाई ने एक बयान में कहा, ''अहमदाबाद से गांधीनगर जाते वक्त एंबुलेंस को रास्ता देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का काफिला रुक गया।'' गुजरात की अपनी यात्रा के दूसरे दिन प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को यहां थलतेज और वस्त्राल के बीच अहमदाबाद मेट्रो रेल परियोजना के पहले चरण का उद्घाटन किया और इसमें सफर भी किया। प्रधानमंत्री ने मेट्रो ट्रेन के पूर्वी-पश्चिमी गलियारे के कालूपुर स्टेशन पर परियोजना का उद्घाटन किया। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने गांधीनगर रेलवे स्टेशन पर मुंबई और अहमदाबाद के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखायी। मोदी शाम को एक जनसभा को संबोधित करने और प्रसिद्ध अंबाजी मंदिर में आरती करने के लिए बनासकांठा जिले जायेंगे।

केजरीवाल को अपने घर में भोजन कराने वाला निकला मोदी का समर्थक

अहमदाबाद । कुछ दिन पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को अपने घर में भोजन कराने वाला विक्रम दंताणी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का समर्थक निकला। विक्रम के मुताबिक जब से वोट डालना शुरू किया है, तब से नरेन्द्र मोदी का जबर्दस्त फैन हूं। बता दें कि कुछ दिनों पहले अरविंद केजरीवाल ने अहमदाबाद में ऑटो रिक्शा चालकों के साथ संवाद किया था। विक्रम नामक एक ऑटो ड्राइवर ने केजरीवाल को अपने घर भोजन के लिए आमंत्रित किया था। शाम के वक्त अरविंद केजरीवाल, आप के गुजरात प्रमुख गोपाल इटालिया, पार्टी महासचिव ईशुदान गढवी इत्यादि विक्रम के घर गए थे और उसके साथ भोजन किया था। वही विक्रम ने आज भगवा पटका और टोपी लगाकर अहमदाबाद में आयोजित पीएम मोदी की जनसभा पहुंचकर सभी को चौंका दिया। अहमदाबाद के घाटलोडिया क्षेत्र के दंताणीनगर में रहनेवाले विक्रम दंताणी ने पीएम मोदी की जनसभा में शामिल होने पर कहा कि ऑटो रिक्शा यूनियन ने उससे केजरीवाल को अपने घर भोजन करने के बारे में पूछने के लिए कहा था। इस बारे में मुझे पहले से कोई जानकारी नहीं है और मैं तो पहले से भाजपा का समर्थक रहा हूं। वैसे भी गुजराती के घर कोई भी आता है तो उसे प्रेम से भोजन कराने की परंपरा रही है। विक्रम ने बताया कि अपने घर पर भोजन के बाद से आज तक उनकी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से कोई बातचीत नहीं हुई। मैं तो शुरू से भाजपा और मोदी साहब का आशिक हूं और उनके ही पक्ष में मतदान भी करता हूं। विक्रम ने बताया कि अरविंद केजरीवाल ने प्रोटोकोल तोड़ा उसका मुझे काफी दु:ख हुआ था। मैं आम आदमी पार्टी के साथ नहीं बल्कि भाजपा के साथ हूं। मैंने ऑटो रिक्शा यूनिनय के कहने पर केजरीवाल को भोजन का न्यौता दिया और उन्होंने स्वीकार कर लिया। मुझे पता नहीं था कि वह मेरे घर भोजन करने आएंगे। वह मेरे घर आए और उनका अपमान ना हो इसके लिए उन्हें भोजन कराया और रवाना कर दिया। मैंने कभी आप का समर्थन नहीं किया और ना ही भविष्य में करूंगा। मेरी पूरी सोसायटी के लोग भाजपा के समर्थक हैं।

मायावती ने पीएफआई पर पाबंदी को राजनीतिक स्वार्थ और संघ तुष्टीकरण से प्रेरित बताया

लखनऊ। केंद्र सरकार द्वारा इस्लामी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर पाबंदी लगाए जाने पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो और यूपी की पूर्व मुख?यमंत्री मायावती ने तल्ख प्रतिक्रिया देते हुए इसे राजनीतिक स?वार्थ और संघ तुष?टीकरण से प्रेरित बताया और आरएसएस (राष?ट्रीय स?वयंसेवक संघ) पर भी प्रतिबंध लगाने की मांग का समर्थन किया। बसपा प्रमुख ने शुक्रवार को ट्वीट किया, 'केन्द्र द्वारा पीपुल्स फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के खिलाफ देश भर में की गई कार्रवाई के बाद अन्ततः अब विधानसभा चुनावों से पहले पीएफआई समेत उसके आठ सहयोगी संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिया है। ग इसे राजनीतिक स्वार्थ व संघ तुष्टीकरण की नीति मान रहे हैं और उनमें संतोष कम व बेचैनी ज्यादा है।' मायावती ने अपने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा, 'यही कारण है कि विपक्षी पार्टियां सरकार की नीयत में खोट मानकर इस मुद्दे पर भी आक्रोशित व हमलावर हैं और आरएसएस पर भी प्रतिबंध लगाने की मांग खुलेआम हो रही है कि अगर पीएफआई देश की आन्तरिक सुरक्षा के लिए खतरा है तो उस जैसी अन्य संगठनों पर भी प्रतिबंध क्यों नहीं लगना चाहिए?' गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने बुधवार को इस्लामी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर आईएसआईएस जैसे वैश्विक आतंकवादी समूहों से 'संबंध' रखने और देश में सांप्रदायिक नफरत फैलाने की कोशिश का आरोप लगाते हुए आतंकवाद रोधी कानून यूएपीए के तहत पांच साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया। राजपत्रित अधिसूचना के अनुसार, पीएफआई के आठ सहयोगी संगठनों- रिहैब इंडिया फाउंडेशन, कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया, ऑल इंडिया इमाम काउंसिल, नेशनल कॉन्फेडरेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइजेशन, नेशनल विमेन फ्रंट, जूनियर फ्रंट, एम्पावर इंडिया फाउंडेशन और रिहैब फाउंडेशन, केरल के नाम भी यूएपीए यानी गैरकानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम के तहत प्रतिबंधित किए गए संगठनों की सूची में शामिल हैं।

मुंबई के होटल में 30 वर्षीय मॉडल ने की खुदकुशी, सुसाइड नोट में लिखा मुझे शांति चाहिए

मुंबई । मुंबई के अंधेरी इलाके में स्थित एक होटल के कमरे में एक 30 वर्षीय मॉडल का शव पंखे से लटकता पाया गया है। वर्सोवा पुलिस ने घटनास्थल से एक सुसाइड नोट बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, माना जा रहा है कि पिछले कुछ समय से काम नहीं मिलने की वजह से मृतक गहरे अवसाद में थी। एक अधिकारी ने बताया कि माडल लोखंडवाला के यमुना नगर सोसायटी की रहने वाली थी। वर्सोवा पुलिस को होटल के कमरे से जो सुसाइड नोट मिला है, उसमें मॉडल ने लिखा है, मुझे माफ करना। मेरी मौत के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है। मैं खुश नहीं हूं, मुझे सिर्फ शांति चाहिए। पुलिस ने उसके शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। अधिकारी ने बताया कि मॉडल ने होटल में एक कमरा बुक किया था। बुधवार रात करीब 8 बजे उसने चेक इन किया। प्राथमिक जांच में पता चला कि उसने खाना भी मंगाया था और होटल के कमरे में ही डिनर किया।

अगली फसल के लिए खेतों को तैयार करने पराली जल सकते हैं किसान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कृषि विशेषज्ञों का कहना है, कि पंजाब के कुछ क्षेत्रों में बारिश की वजह से धान की कटाई में देरी के कारण किसान इसकी भरपाई करने और अपने खेतों को अगली फसल के लिए जल्द तैयार करने के लिए पराली जला सकते हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार उत्तर भारत में चार से आठ अक्टूबर के बीच फिर बारिश की संभावना है, जिससे कुछ इलाकों में फसल की कटाई में और देरी हो सकती है। पिछले सप्ताह बारिश से कई इलाकों खासतौर से अमृतसर और तरन तारन में धान की कटाई में देरी हुई, जहां किसान गेहूं से पहले आलू और मटर की खेती करते हैं। यह कोई आदर्श स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा, धान की कटाई में देरी ने अगली फसल के लिए खेतों को तैयार करने की अवधि भी कम कर दी है,इसकारण इसकी प्रबल संभावना है कि ये किसान मशीनी तंत्र के जरिए पराली से निपटने के जगह उस जला सकते हैं।''

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में प्रधान वैज्ञानिक ने कहा, पराली जलाने के मामले 20 सितंबर के आसपास सामने आने शुरू होते हैं, लेकिन 12-14 अक्टूबर तक आग लगने की घटनाओं की संख्या कम रहती है। पिछले सप्ताह बारिश के कारण पंजाब और हरियाणा में खेतों में पराली कम जली और दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण नियंत्रण में रहा। आंकड़ों के अनुसार, पंजाब में पिछले छह दिनों में पराली जलाने की एक भी घटना नहीं हुई है।

मौसम से जुड़ी जानकारी देने वाली निजी मौसम एजेंसी ने कहा कि पश्चिमी-मध्य बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती क्षेत्र के कम दबाव के क्षेत्र में बदलने तथा उत्तरपश्चिम की ओर मध्य प्रदेश तक बढ़ने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इससे चार से आठ अक्टूबर के बीच दिल्ली-एनसीआर तथा हरियाणा और पंजाब के कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है। अगर अगले सप्ताह बारिश होती है, तब खेतों में पराली जलाने की घटनाएं अक्टूबर मध्य तक होंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि 2020 में किसानों के प्रदर्शन और पिछले साल विधानसभा चुनाव खेतों में पराली जलाने की घटनाओं में वृद्धि की प्रमुख वजहें रहीं।

पिछले साल दिवाली और उसके बाद के दिनों में दिल्ली-एनसीआर में रहे वायु गुणवत्ता के संकट की पुनरावृत्ति की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा, ''पिछले साल दिल्ली-एनसीआर में खतरनाक वायु गुणवत्ता के पीछे खेतों में आग, पटाखे जलाना और विपरीत मौसम परिस्थितियों की वजहें शामिल थीं।'' उन्होंने कहा, ''इस साल दिवाली 24 अक्टूबर को है और पराली जलाने की घटनाएं नवंबर में अधिक होती हैं। यह बहुत अहम बात है इसलिए इस बार दिवाली पर हालात गंभीर होने की संभावना नहीं है।''

राकेश टिकैत का आरोप, धनबल से सभी राजनीतिक दलों को कमजोर कर रही है भाजपा

बहराइच (उप्र)। (एजेंसी)।

भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी धनबल के जोर पर सभी राजनीतिक दलों को कमजोर कर रही है ताकि वह अकेले देश पर शासन कर सके। शुक्रवार को श्रावस्ती जाते समय अपने काफिले को रोक कर यहां पत्रकारों से अनौपचाकि बातचीत में टिकैत ने एक सवाल के जवाब में कहा, ये (भाजपा) चाहते हैं कि पूरा विपक्ष खत्म हो जाए और देश में एक ही पार्टी का राज हो। ये पैसे की ताकत से सभी राजनीतिक दलों को कमजोर करेंगे। टिकैत ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानून लाने,किसानों को फसलों के सही दाम दिलाने एवं जमीनों की लूट को लेकर किसान देश में एक बड़ा आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि देश को किसान ही बचा सकता है इसलिए किसानों का संगठन काम करता रहेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने गन्ना किसानों का भुगतान समय से करने की बात कही है और यदि भुगतान नहीं हुआ तो किसान आंदोलन करेंगे। टिकैत ने सत्तारूढ़ दल पर बेईमानी से चुनाव जीतने का आरोप लगाया और दावा किया, विधानसभा चुनावों में अधिकारियों ने बेईमानी से सौ से अधिक सीटें भाजपा को जितवाई हैं। विपक्ष के जो प्रत्याशी 30-30 हजार वोट से जीत रहे थे उन्हें बेईमानी करके हरा दिया गया। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के विषय में पूछे गए सवाल पर टिकैत ने कहा कि यात्रा निकालना सही है लेकिन इन्हें और पहले यात्रा निकालनी चाहिए थी। पॉपुलर फ्रंट आफ इंडिया (पीएफआई) पर सरकार के लगाए प्रतिबंध पर टिकैत ने कहा कि अगर कोई गलत काम कर रहा हो तो प्रतिबंध सही है, लेकिन अगर पक्षपात हुआ है तो यह सरकार की गलती है।

शाह के जम्मू-कश्मीर दौरे से पूर्व पूरे केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा के कड़े उपाय

जमू (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जम्मू-कश्मीर दौरे से पूर्व पूरे केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा के कड़े उपाय किए जा रहे हैं। इसके साथ ही आतंकी मंसूबों को नाकाम किया जा रहा है। शुक्रवार को दो आतंकवादी मुठभेड़ में मारे गए, इसके पहले गुरुवार को उधमपुर में दो विस्फोटों के बाद हाईअलर्ट घोषित कर चप्पे चप्पे की छानबीन की जा रही है।

जहां तक मुठभेड़ में आतंकवादियों के मारे जाने की बात है, तब बता दें कि जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार तड़के शोपियां और बारामूला जिलों में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई थी। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर के शोपियां के चित्रगाम इलाके और उत्तरी कश्मीर में बारामूला के येदिपुरा इलाके में घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया था जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हुई। उन्होंने बताया कि बारामूला में मुठभेड़ के दौरान दो आतंकवादी मारे गए। इस बारे में कश्मीर के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) विजय कुमार ने किया, एक और आतंकवादी मारा गया कुल दो मारे जा चुके हैं। ये दोनों आतंकवादी जैश से नाता रखते थे। तलाश अभियान अब भी जारी है।

दूसरी ओर, उधमपुर जिले में संदिग्ध आतंकवादियों द्वारा एक खड़ी बस में विस्फोट किए जाने के बाद सुरक्षा बलों ने खोजी कुत्तों के साथ अंतरराज्यीय बस टर्मिनल की गहन तलाशी ली। पुलिस ने बताया कि विस्फोट के बाद जम्मू क्षेत्र में 'हाई अलर्ट जारी किया है। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह ने खोजी कुत्तों के साथ जम्मू शहर के बस स्टैंड इलाके में गहन तलाशी अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि बस स्टैंड पर सुरक्षा कड़ी कर शहर में प्रवेश करने वाले वाहनों की तलाशी ली जा रही है।

उधर, त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित माता वैष्णो देवी गुफा मंदिर के आधार शिविर कटरा कस्बे में नवरात्रि के दौरान सुचारू यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उल्लेखनीय है कि देश के विभिन्न हिस्सों से प्रतिदिन हजारों तीर्थयात्री इस गुफा मंदिर में दर्शन करने आते हैं। अधिकारियों ने बताया कि कठुआ, सांबा और रियासी जिलों में भी इसी तरह की तलाशी ली गई। उन्होंने कहा कि राजौरी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह चार अक्टूबर को रैली को संबोधित करने वाले हैं। वहां कार्यक्रम स्थल एवं उसके आसपास उच्च स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

दूसरी ओर, उधमपुर में तीन स्थानों पर लोगों ने सड़कों पर उतरकर पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान लोगों ने पाकिस्तान का पुतला फूंककर पाकिस्तान विरोधी नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने डर का माहौल पैदा करने के आतंकवादियों के नापाक मंसूबे को विफल करने करने के लिए शहर और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ाने की मांग की। जम्मू शहर में शिवसेना, बजरंग दल और डोगरा फ्रंट ने पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन किया और विस्फोट करने वालों को बेनकाब करने एवं उनका सफाया करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान-विरोधी नारे लगाए और रैलियां निकालीं।

कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव आम सहमति से होना चाहिए : मनीष तिवारी

नई दिल्ली । कांग्रेस में बदलाव की बात करने वाले नेताओं के समूह जी23 के सदस्य मनीष तिवारी ने कांग्रेस अध्यक्ष पद को लेकर आम सहमति बनाने का आह्वान किया। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने का शुक्रवार को आखिरी दिन है। तिवारी ने ट्वीट किया, नेतृत्व, वैचारिक स्पष्टता, विमर्श और संसाधनों तक पारदर्शी पहुंच 'एक' राजनीतिक दल के स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि हालिया घटनाक्रमों को देखकर कांग्रेस को पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के शब्दों पर चलते हुए आम सहमति बनाने व प्रभावी नेतृत्व के लिए काम करना चाहिए। तिवारी ने मुखर्जी के शब्दों को दोहरा कर कहा कि कुछ पदों के लिए चुनाव नहीं होना चाहिए, उन पर आम सहमति से फैसला होना चाहिए और कांग्रेस का अध्यक्ष पद भी उन्हीं में से एक हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन की अध्यक्षता करने के लिए किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति को आमंत्रित करना और उस व्यक्ति के अगले वार्षिक सत्र तक पद पर बने रहने की पुरानी प्रथा वास्तव में उल्लेखनीय थी। मैंने हमेशा कोशिश की कि कांग्रेस अध्यक्ष के पद के लिए किसी का भी चयन सर्वसम्मति से हो..।

केरल में गिरफ्तार पीएफआई नेताओं को 20 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेजा गया

कोच्चि। (एजेंसी)।

यहां की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार कोपॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के 11 कार्यकर्ताओं को 20 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इन्हें राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने हाल ही में गिरफ्तार किया था। एनआईए की हिरासत की अवधि आज समाप्त होने के बाद आरोपियों को अदालत में पेश किया गया। अदालत ने एनआईए को 20 अक्टूबर को आरोपियों को पेश करने को कहा है। इस बीच, एनआईए ने तीसरे आरोपी अब्दुल सत्तार की सात दिन की हिरासत मांगी है, जिसे हाल ही में गिरफ्तार किया गया था।

अदालत सोमवार को हिरासत की अर्जी पर सुनवाई करेगी। एनआईए ने प्रतिबंधित पीएफआई और उसके गिरफ्तार नेताओं के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं और दावा किया है कि छापेमारी के दौरान जब्त किए गए दस्तावेजों में एक विशेष समुदाय के प्रमुख नेताओं को निशाना बनाने वाली आपत्तिजनक सामग्री शामिल है। यहां दर्ज एक मामले में 10 आरोपियों की हिरासत की मांग करते हुए एनआईए की विशेष अदालत के समक्ष पेश रिमांड रिपोर्ट में एजेंसी ने यह भी आरोप लगाया कि कट्टरपंथी इस्लामी संगठन ने युवाओं को लश्कर-ए-तैयबा, इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया और अल-कायदा सहित अन्य आतंकवादी समूहों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। अधिकारियों ने कहा था कि एनआईए की अगुवाई में 22 सितंबर को विभिन्न एजेंसी द्वारा देश भर में लगभग एक साथ की गई छापेमारी में पीएफआई के 106 कार्यकर्ताओं को देश में आतंकी गतिविधियों का समर्थन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। सबसे अधिक गिरफ्तारी केरल (22) में हुई थी। उसके बाद महाराष्ट्र और कर्नाटक (दोनों जगह 20-20), तमिलनाडु (10), असम (9), उत्तर प्रदेश (8), आंध्र प्रदेश (5), मध्य प्रदेश में चार लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। पुडुचेरी और दिल्ली में तीन-तीन तथा राजस्थान में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

केजरीवाल ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए 15 सूत्री शीतकालीन कार्य योजना की घोषणा की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए शुक्रवार को 15 सूत्री शीतकालीन कार्य योजना की घोषणा की, जिसमें कचरा जलाने, धूल और वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को रोकने के लिए दल गठित करना शामिल है। केजरीवाल ने कहा कि सरकार द्वारा 2020 में इलेक्ट्रिक वाहन नीति लाने और 24 घंटे बिजली आपूर्ति करने समेत अन्य कदम उठाने से पिछले चार वर्ष में वायु प्रदूषण के स्तर में 18.6 प्रतिशत की कमी आयी है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के शहरों, केंद्र तथा वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) समेत विभिन्न पक्षकारों के बीच सहयोग की आवश्यकता पर जोर देते हुए केजरीवाल ने प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए पड़ोसी राज्यों से उद्योगों द्वारा पाइप से प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल करने, ईंट के भट्ठों द्वारा जिग-जैग तकनीक का इस्तेमाल, जेनरेटरों पर प्रतिबंध तथा चौबीसों घंटे बिजली आपूर्ति का अनुरोध किया। उन्होंने कार्य योजना की घोषणा करते हुए कहा कि सरकार इस साल करीब 5,000 एकड़ जमीन पर पराली के निपटान के लिए पूसा जैव-अपघटक का छिड़काव कराएगी। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंस में कहा, ''दिल्ली सरकार प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए 233 एंटी-स्मॉग गन और 150 मोबाइल एंटी-स्मॉग गन लगाएगी।

सरकार ने एक हरित कक्ष भी बनाया है जिसमें नौ वैज्ञानिक विशेषज्ञ होंगे जो स्थिति पर नजर रखेंगे।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर के साथ वायु गुणवत्ता पर नजर रखने के लिए राउज एवेन्यू में नियंत्रण केंद्र बनाया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने खुले में कचरा जलाने से रोकने के लिए 611 दल गठित किए हैं और वह धूल रोधी अभियान चलाएगी। सरकार ने पटाखों पर प्रतिबंध को लागू करने के लिए दलों का गठन किया है। उन्होंने कहा कि छह अक्टूबर से सरकार धूल रोधी अभियान भी चलाएगी, जिसमें 586 दल, निर्माण स्थलों का दौरा कर यह सुनिश्चित करेंगे कि वहां धूल से होने वाले प्रदूषण को रोकने के उपायों का सख्ती से पालन किया गया हो।

सरकार ने 500 वर्ग मीटर से अधिक के निगरानी केंद्रों का गठन करने तथा एंटी-स्मॉग गन लगाने का निर्देश दिया है। वह धूल को रोकने के लिए पानी के छिड़काव के 581 यंत्र और 150 मोबाइल स्मॉग टावर भी लगाएगी। केजरीवाल ने मार्गों में परिवर्तन के जरिए 203 सड़कों पर भीड़भाड़ कम करने की योजना का भी एलान किया ताकि यातायात जाम के कारण वाहन से होने वाला उत्सर्जन कम हो। केजरीवाल ने कहा कि इसके अलावा सरकार ई-कचरा पार्क भी बना रही है, जहां राष्ट्रीय राजधानी से एकत्रित किए गए इलेक्ट्रॉनिक कचरे का शोधन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रीन दिल्ली ऐप भी सफल हुआ है और उस पर कचरा जलाने समेत 53,000 से अधिक शिकायतें आयी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदूषण से निपटने के लिए 3,500 से अधिक पर्यावरण मित्र काम कर रहे हैं और उन्होंने लोगों से शहर को प्रदूषण मुक्त बनाने में योगदान देने के लिए पंजीकरण कराने का अनुरोध किया।

योगी आदित्यनाथ का दावा, उत्तर प्रदेश में पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से हो रहीं भर्तियां

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से भर्तियां हो रही हैं। शुक्रवार को यहां लोक भवन (मुख्यमंत्री कार्यालय) में आयोजित एक समारोह में चयन प्रक्रिया के माध्यम से चयनित 332 आबकारी आरक्षियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद अपने संबोधन में योगी ने कहा कि लखनऊ, बुलंदशहर, गोरखपुर, झांसी, सहारनपुर, प्रयागराज, मिर्जापुर समेत सभी मंडलों से आबकारी आरक्षियों की नियुक्ति हुई, जो इस बात का द्योतक है कि हमारी सरकार में सारी नियुक्तियां पारदर्शी व निष्पक्ष तरीके से हो रही हैं और अब बिना सिफारिश के आधार पर योग्यता के अनुरूप नौकरी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि शारदीय नवरात्रि में 332 में से 109 महिला आरक्षियों को नियुक्ति पत्र मिलना गौरव एवं प्रसन्नता की बात है।

साढ़े पांच वर्ष में हमने पांच लाख से अधिक युवाओं को शासकीय सेवाओं से जोड़ा है, जो अपनी ऊर्जा का लाभ प्रदेश को दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, हमने भर्ती से जुड़े आयोग और एजेंसियों से कहा कि पारदर्शिता से खिलवाड़ करने वाले को टिकने नहीं देंगे। योगी ने उम्मीद जताई कि इस वित्तीय वर्ष के अंत तक विभाग 42 हजार करोड़ रुपये का राजस्व देगा। उन्होंने कहा कि 2017 में समीक्षा के दौरान पता चला कि 14 हजार करोड़ में से सिर्फ साढ़े 12 हजार करोड़ का राजस्व आया था। उन्होंने कहा कि सरकार में आने के बादहमने कहा कि स्टेट हाइवे, बस्तियों के चौराहों, अस्पतालों आदि के पास दुकानें नहीं चलेंगी, फिर भी हम उम्मीदों के अनुरूप (राजस्व संग्रह) आगे बढ़ रहे हैं। यहां जारी एक सरकारी बयान के अनुसार नियुक्ति पत्र वितरण के दौरान आरक्षियों से मुख्यमंत्री ने कहा कि आप समाज को सही दिशा देंगे तथा जहरीली शराब को रोकने में योगदान देंगे, राजस्व बढ़ाएंगे और जीवन से खिलवाड़ करने वालों पर अंकुश लगाएंगे। मुख्यमंत्री ने प्रतीक के तौर पर 11 आरक्षियों को अपने हाथों से नियुक्ति पत्र वितरित किया।

आबकारी विभाग का महत्व बताते हुए योगी ने कहा कि यह काफी महत्वपूर्ण विभाग है, जहरीली शराब से बचाने वाला विभाग है, डिस्टलरी में अल्कोहल भी बनता है, जो दवाओं और प्रयोगशाला में भी प्रयोग किया जाता है। आदित्यनाथ ने कहा कि हमने साढ़े पांच वर्षों में 33 नई डिस्टलरी लगवाई और जितनी 70 वर्षों में थी, उसकी आधी डिस्टलरी साढ़े पांच वर्षों में हमारी सरकार ने लगवाई। उन्होंने कहा कि जहरीली शराब से बचाने के लिए डिस्टलरी को विकास से जोड़ा गया और एथेनॉल व अल्कोहल उत्पादन में उत्तर प्रदेश नंबर एक पर है।

इससे राजस्व की बढ़ोतरी हुई। उन्होंने कहा कि आबकारी विभाग ने कानून के अनुरूप व्यवस्था चलाई और अब पर्व शांति से मनाए जाते हैं। उन्होंने कहा किमिलावट करने वाले निर्दोषों के जीवन के साथ खिलवाड़ करने वाले लोगों के खिलाफ की गई कार्रवाई नजीर बनी। ऐसे लोग अब जेल में सड़ रहे हैं। योगी ने कहा कि एथेनॉल व अल्कोहल उत्पादन में उत्तर प्रदेश नंबर एक पर है। उन्होंने कहा, ''गन्ना किसानों को पांच वर्ष में 1 लाख 80 हजार करोड़ का भुगतान किया गया। डिस्टलरी से 10 हजार करोड़ का निवेश आया। एक लाख को प्रत्यक्ष व 10 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार दिया गया। सुदृढ़ कानून व्यवस्था के कारण प्रदेश में भारी निवेश भी आया। जिससे 1 करोड़ 61 लाख नौजवानों को नौकरी व रोजगार से जोड़ा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नवरात्रि पर पीएम मोदी ने अहमदाबाद को दी खास भेंट मेट्रो ट्रेन सेवा का किया लोकार्पण

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नवरात्रि के पांचवें दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात को बड़ी भेंट दी है। पहली वंदे भारत ट्रेन और दूसरी मेट्रो ट्रेन सेवा। देश की तीसरी हाईस्पीड ट्रेन वंदे भारत गांधीनगर से मुंबई के बीच चलेगी। जबकि मेट्रो ट्रेन अहमदाबाद को गांधीनगर से जोड़ेगी। फिलहाल पीएम मोदी ने मेट्रो ट्रेन सेवा के पहले चरण का लोकार्पण किया है। गांधीनगर में वंदे भारत ट्रेन का उदघाटन करने के बाद पीएम मोदी उसमें सवार होकर अहमदाबाद के कालूपुर रेलवे स्टेशन पहुंचे। जहां मेट्रो ट्रेन में सवार होकर दूरदर्शन मेट्रो स्टेशन पहुंचे। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, रेल राज्यमंत्री दर्शनाबेन जरदोश, गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील, पश्चिम अहमदाबाद के सांसद डॉ. किरीट सोलंकी और राज्यसभ सांसद नरहरि अमीन मौजूद रहे। इसके अलावा कई छात्र-छात्राएं और अन्य यात्रियों ने भी पीएम मोदी के साथ मेट्रो ट्रेन में सफर किया। दूरदर्शन मेट्रो स्टेशन से पीएम मोदी ने पश्चिमी कोरिडोर थलतेज से वस्त्राल गांव के बीच मेट्रो रेल सेवा को हरी झंडी दिखाई। मेट्रो ट्रेन का पहला फेज 40 किलोमीटर लंबा है, जिसमें पूर्व और पश्चिम समेत उत्तर व दक्षिण दो कोरिडोर पर ट्रेन चलेगी। वस्त्राल गांव से थलतेज तक 21 किलोमीटर और वासणा एपीएमसी से मोटेरा तक 18.89 किलोमीटर लंबा रूट है।

दोनों कोरिडोर के 40 किलोमीटर रूट पर 32 मेट्रो ट्रेनें दौड़ाई जाएंगी। प्रारंभ में प्रति आधा घंटे और मांग बढ़ने पर प्रति पांच मिनट में मेट्रो रेल सेवा उपलब्ध होगी। प्रत्येक स्टेशन पर मेट्रो ट्रेन 30 सैंकड के रूकेगी और पुरानी हाईकोर्ट के निकट मेट्रो का रूट बदला जा सकेगा।

सचीन जी.आई.डी.सी में बोईलर में चिंधी (प्रदुषित करने वाले कपड़ा) जालने को लेकर GPCB ने संगम मील को क्लोजर नोटिस दिया

1.60 करोड़ से अधिक के एमडी ड्रग्स समेत एक शख्स गिरफ्तार, दो आरोपी वांटेड घोषित

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,नशीले पदार्थों के खिलाफ लगातार कार्यवाही कर रही सूरत पुलिस ने रु 1.60 करोड़ से अधिक कीमत के एमडी ड्रग्स समेत एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया शख्स मुंबई से ड्रग्स लेकर आया था और सूरत में उसे डिलीवर करने वाला था। पुलिस ने मुंबई से ड्रग्स भेजने और सूरत में मंगाने वाले को वांटेड घोषित कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत की पूणा पुलिस पूर्व सूचना के आधार पर शहर के नियोल चेक पोस्ट निगरानी पर थी। उस वक्त कडोदरा चौराहे की ओर से सर्विस रोड पर अपनी पीठ पर ट्रावेलिंग बैग लादकर पैदल आ रहा था। पुलिस ने शख्स को रोका और उसकी पूछताछ की। ट्रावेलिंग बैग की तलाशी लेने पर कपड़ों के नीचे प्लास्टिक के पाउच में 1.670 कि.ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुआ। जिसकी बाजार कीमत रु 16070000 बताई गई है। ड्रग्स बरामद होने के बाद पुलिस ने राजस्थान के अजमेर निवासी 31 वर्षीय अफजल उर्फ सुब्रतअली सैयद को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में अफजल उर्फ गुरुसुब्रतअली ने बताया कि मुंबई के नालासोपारा में रहनेवाले बल्लू ने उसे ड्रग्स सूरत पहुंचाने के लिए दिया था। सूरत पहुंचने के बाद बल्लू को फोन करना था, ताकि वह बताए कि सूरत में ड्रग्स किसे पहुंचाना है। इस काम के लिए बल्लू उसे रु 10000 देने वाला था। सूरत पुलिस ने अफजल उर्फ गुरुसुब्रतअली को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही मुंबई से ड्रग्स भेजने वाले बल्लू और सूरत में ड्रग्स मंगाने वाले को वांटेड घोषित कर आगे की कार्यवाही शुरूकी है।

एम्ब्युलैंस को रास्ता देने के लिए पीएम मोदी ने रूकवाया अपना काफिला

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज मानवता का उत्तम उदाहरण पेश किया। गांधीनगर में वंदे भारत ट्रेन और अहमदाबाद में मेट्रो ट्रेन सेवा का उदघाटन करने के बाद पीएम मोदी गांधीनगर की ओर जा रहे थे। पीएम मोदी का काफिला अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहा था। तब अचानक एम्ब्युलैंस के सायरन की आवाज सुनकर पीएम मोदी ने अपना काफिला रूकवा दिया। मरीज को ले जा रही एम्ब्युलैंस सरलता से निकल जाए, इसलिए पीएम मोदी ने अपना काफिला रूकवाया था। एम्ब्युलैंस के गुजर जाने के बाद पीएम मोदी का काफिला अपने गंतव्य की ओर रवाना हुआ। गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने घटना का वीडियो अपने ट्वीटर एकाउंट पर शेर किया है। वीडियो के सोशल मीडिया पर शेयर होने के बाद लोग प्रधानमंत्री की तारीफ करते नहीं थक रहे।

एंबुलेंस में मिले 25 करोड़ रूपये के नकली नोट

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,सूरत जिले के कामरेज थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक एंबुलेंस से २५ करोड़ों रूपए से ज्यादा के नकली नोट बरामद किए हैं।पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अहमदाबाद मुंबई रोड पर इस एंबुलेंस को रोकाम जब इसकी जांच की गई तो २००० के नकली नोटों के १२९० पैकेट बरामद हुए।पुलिस ने २५.८० करोड़ रूपये के नकली नोट बरामद किए हैं।

इन दिनों गुजरात में नशीले पदार्थों और नकली नोटों का कारोबार बड़ी तेजी के साथ हो रहा है।पुलिस को आए दिन अपराधियों से नशीले पदार्थ और नकली नोट बड़ी मात्रा में बरामद हो रहे हैं।

अनाज -किराना दुकान में किया तोड़फोड़

सूरत के पांडेसरा में फैला दहशत असामाजिक तत्वों का आतंक

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा इलाके में असामाजिक तत्वों का दहशत का माहौल सामने आया है. कुछ असामाजिक तत्वों ने दुकान में लकड़ी और डंडे, लाठियों से तोड़फोड़ की। तत्वों ने हाथ में लाठी लेकर जय अम्बे नगर सोसायटी में हंगामा किया। असामाजिक तत्वों ने किराना दुकान में भी तोड़फोड़ की। दुकानदार का इससे कोई लेना-देना नहीं था।हालांकि, ऐसे असामाजिक तत्वों ने बाइक और रिक्शा के की दुकान में तोड़फोड़ असामाजिक तत्वों ने जय अम्बे नगर में एक किराना दुकान में बिना वजह तोड़फोड़ की . व्यापारी ने बताया कि रात करीब साढ़े नौ बजे करीब १० से १२ युवक लाठियां व हथियार लेकर आए. हमारी

असामाजिक तत्वों के आतंकी वीडियो भी सामने आए हैं, पुलिस ने इन सामाजिक तत्वों के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की है.

पांडेसरा में असामाजिक तत्वों द्वारा की गई तोड़फोड़ शहर में असामाजिक तत्वों का आतंक दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा है। छोटी-छोटी बातों में किसी से भी झगड़ा हो जाता है। और हमले किए जाते हैं। कुछ मामलों में तो मौत भी हो जाती है। वहीं दूसरी ओर समाज में अपनी सत्ता स्थापित करने के लिए भीड़ में इस तरह की सार्वजनिक बर्बरता की जाती है।

ऐसी ही एक घटना पांडेसरा से सामने आई है। पांडेसरा के बमरोली तेरेनाम चौकड़ी क्षेत्र के जय अम्बे नगर सोसाइटी में असामाजिक तत्वों को आतंकित करने की घटना तब सामने आई है और तोड़फोड़ कर रहे हैं. १० से १२ असामाजिक साथ दुकान में तोड़फोड़ की और भारी नुकसान किया। पांडेसरा पुलिस को घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

असामाजिक तत्वों के आतंकी वीडियो सामने आए हैं. बमरोली क्षेत्र के जय अम्बे नगर सोसाइटी में असामाजिक तत्वों द्वारा की गई दंगे का एक वीडियो सामने आया है .

इन असामाजिक तत्वों के लाठी और हथियार ले जाने की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है। जो सनसनीखेज वीडियो सामने आया है. इसमें तमाम असामाजिक तत्व सार्वजनिक रूप से ईशनिंदा कर रहे हैं और दुकानों व वाहनों में तोड़फोड़ कर रहे हैं.

पुलिस ने इस सीसीटीवी और सामने आए मोबाइल वीडियो के आधार पर जांच शुरू कर दी है.

बिना वजह किराना व्यापारी दुकान पर एक ग्राहक खड़ा था और उसे पीटने लगा। बाद में उन्होंने दुकान में तोड़फोड़ भी शुरू कर दी। दुकान के बाहर खड़ी मेरी बाइक में भी तोड़फोड़ की गई। असामाजिक तत्वों ने बिना वजह मेरी दुकान और बाइक में तोड़फोड़ की और काफी नुकसान किया।

सोसायटी में भय पैदा करने के लिए इन सामाजिक तत्वों का आतंक हर बार ऐसे असामाजिक तत्व अंबे नगर समाज में अपना डर पैदा करने की कोशिश करते हैं। लोगों से झगड़ते हैं और आम बातों पर उनकी पिटाई करते हैं। ऐसी ही एक और घटना बीती देर रात भी हुई है। उन्होंने एक सामान्य बात पर युवकों से झगड़ा किया और सार्वजनिक रूप से तोड़फोड़ की। अब देखना यह की इस प्रकार की घटना सामने आने के बाद किस प्रकार की कार्यवाही प्रशासन की ओर से किया जाता हैं